गतिमान

चौबीसवाँ दीक्षांत समारोह

2021

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

गतिमान 2021

16 फरवरी, 2021

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
कुलपति

श्री अमित कुमार श्रीवास्तव
वित्त अधिकारी

श्री महेन्द्र कुमार
कुलसचिव

प्रो. बी.बी. तिवारी
समन्वयक, टेकिप

श्री व्यास नारायण सिंह
परीक्षा नियंत्रक

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

डॉ. राजकुमार
चीफ वार्डेन

श्री अमृत लाल
श्री अजीत प्रताप सिंह
श्रीमती बबिता सिंह
श्री दीपक कुमार सिंह
सहायक कुलसचिव

डॉ. मनोज मिश्र
डॉ. के.एस. तोमर
डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
डॉ. सुनील कुमार
सम्पादक मण्डल

Faculties/ Courses

Faculty of Agriculture
Departments (U.G. & P.G.)
- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Breeding

Faculty of Arts
Departments (U.G. & P.G.)
- Sanskrit and Prakrit language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English & Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval And Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

Faculty of Commerce
Departments
- Department of Commerce (B.Com., M.Com.)

Faculty of Education
Departments
- B.Ed.
- M.Ed.

Faculty of Law
Departments
- Department of Law
  LL.B.
  LL.M.
  BA. LL.B. Integrated Course (5 Years)

Faculty of Sciences
Departments (U.G. & P.G.)
- Physics
- Botany
- Mathematics
- Statistics
- Geology
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Chemistry
- Zoology
- Microbiology
- Industrial Fishery and Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sport
- Environmental Science
- Applied Biochemistry
- Applied Microbiology
- Earth & Planetary Science (Applied Geology)

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) Institute of Physical Sciences for Study and Research
M.Sc and Ph.D.
- Physics ■ Chemistry ■ Mathematics ■ Applied Geology
- B.Sc. (Phy., Chem.,Maths. and Phy., Maths,Geology)

Research Centres
- Centre for Nanoscience and Technology
- Centre for Renewable Energy

Faculty of Medicine
Departments (U.G.)
- Pharmacy ■ Medicine

Faculty of Engineering & Technology
Departments (U.G./P.G.)
- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Information Technology
- Electronics & Instrumentation Engineering
- Master in Computer Applications
- Applied Physics ■ Applied Chemistry
- Applied Mathematics
- Humanities & Social Sciences

Faculty of Management Studies
Departments
- Department of Business Administration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science
Departments
- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication

The Vice-Chancellor

प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

कुलपति नियुक्त होने के पूर्व उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान (संसदीय एक्ट 14 / 1964 के तहत एक राष्ट्रीय महत्व की संस्था) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की कुलसचिव, प्राफेसर तथा विभागाध्यक्ष रहीं। 15 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव के साथ पी.जी. शिक्षण, शोध निर्देशन का एक दीर्घ अनुभव रहा है। शोध निर्देशन में शोध करने वाले शोधार्थियों की एक लम्बी सूची रही है।

शैक्षिक योग्यता :

(1) बी.एस.सी. (1978) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(2) एम.ए. (1980) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(3) पीएच.डी. (1984) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

शोध–विषय : सूर तथा तुलसी के विनय–पदों का तुलनात्मक अनुशीलन

(4) डी.लिट्. (2001) टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर।

शोध–विषय : हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध

अध्यापन एवं शोध निर्देशन अनुभव :

30 वर्ष (पी.जी., पी.जी. डिप्लोमा, एम.फिल. अध्यापन एवं एम.फिल., पीएच.डी., एवं डी.लिट्. शोध निर्देशन

प्रकाशित प्रपत्र एवं पुस्तकें :

(अ) 160 से अधिक शोध–प्रपत्र एवं आलेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं एवं शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित

(ब) आठ पुस्तकें प्रकाशित

1. बदनसीब (उपन्यास)
2. सूर तथा तुलसी के विनय पदों का तुलनात्मक अनुशीलन (सन्दर्भ ग्रन्थ)
3. प्रतिध्वनि (काव्य–संग्रह)
4. गूँज (काव्य–संग्रह)
5. एक था राजकुमार (बाल–कहानियाँ)
6. शब्द–कुशा (काव्य–संग्रह)
7. हिन्दी भक्ति साहित्य में सौन्दर्यबोध (सन्दर्भ ग्रन्थ)
8. हिन्दी–साहित्य के बहुआयामी कोण (आलोचनात्मक ग्रन्थ)

सम्पादित ग्रन्थ :

1. अभिनन्दन–ग्रन्थ – प्रो. रवीन्द्र कुमार जैन–तमिलनाडु बहुभाषी लेखिका संघ, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
2. सुब्रह्मण्यम 'विष्णुप्रिया' – अभिनन्दन–ग्रन्थ – हिन्दी हृदय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
3. अमृतमयी का काव्य–उत्स – भारती परिषद प्रयाग द्वारा प्रकाशित
4. साहित्य दित्य – सत्यशील ज्ञानालय, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
5. तमिलनाडु साहित्य बुलेटिन, – उप–सम्पादक, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी, चेन्नई
6. बहुब्रीहि (त्रैमासिक शोध पत्रिका) – सम्पादक, उच्च शिक्षा और शोध संस्थान, द.भा.हि.प्र.सभा. मद्रास
7. परामर्शदात्री – अखिलगीत शोध–दृष्टि, आजमगढ़ (उ.प्र.)
8. विशेष परामर्शदात्री – संचार बुलेटिन, शोध पत्रिका, लखनऊ (उ.प्र.)

सेमिनार एवं सम्मेलन :

1. 40 से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों एवं सम्मेलनों में प्रपत्र प्रस्तुति।
2. 20 से अधिक सेमिनारों एवं सम्मेलनों में अध्यक्ष / विशिष्ट–अतिथि के रूप में भाग लिया।

विशेषज्ञ रूप में योगदान :

1. विभिन्न विश्वविद्यालयों, कालेजों, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों, बैंकों एवं साहित्यिक संस्थानों द्वारा आयोजित अनेकों सेमिनार, वर्कशाप में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
2. कालीकट विश्वविद्यालय, मद्रास विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अविनाश लिंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइन्स एवं हॉयर एजूकेशन द्वारा आयोजित यू.जी.सी. रिफ्रेशर, ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में विषय–विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

3. विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों द्वारा विशिष्ट अतिथि, वक्ता तथा अध्यक्ष के रूप में भाग लेने पर सम्मानित।
4. कई विश्वविद्यालयों के बोर्ड ऑफ स्टडी में नामित।
5. अनेकों विश्वविद्यालयों के द्वारा शोध परीक्षक तथा मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित।
6. हिन्दी विशेषज्ञ के रूप में संघम साहित्य के तमिल से हिन्दी अनुवाद में विशेष योगदान।

सम्मान एवं पुरस्कार :

(अ) राज्य :

1. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा काव्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2001)
2. शिक्षाप्रद ट्राफिक सुरक्षा सी.डी. निर्माण में सहयोग के लिये तमिलनाडु गवर्नर द्वारा सम्मानित (2006)
3. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध और दक्षिण में हिन्दी अध्यापन में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2007)
4. नेहरू आर्ट्स एवं साइन्स कालेज, कोयम्बटूर के हिन्दी–साहित्य सेन्टर द्वारा दक्षिण भारत हिन्दी शिक्षण में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2012)
5. हिन्दी अकादमी एवं धर्मामूर्तिराव बहादुर कल्वल कण्णन चेट्टी हिन्दू कालेज द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दी शिखर अवार्ड से सम्मानित (2013)
6. तमिलनाडु हिन्दी अकादमी द्वारा शोध–पत्र "हिन्दी की दशा और दिशा" के लिये सम्मानित (2014)
7. विश्व भाषा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मौलिक सृजन के लिये तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित (2015)
8. स्टेला माफरिस कालेज, चेन्नई एवं हिन्दी कश्मीरी संगम, कश्मीर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में त्रिपुरा एवं बंगाल के गवर्नर द्वय द्वारा आचार्य क्षेमेन्द्र साहित्य सम्मान द्वारा सम्मानित (2018)

(ब) राष्ट्रीय :

1. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार–प्रसार में विशेष योगदान के लिये दक्षिण भारत हिन्दी परिषद, कोल्हापुर द्वारा सम्मानित (1998)
2. महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी और दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा मद्रास द्वारा संयुक्त रूप से साहित्यिक और अध्यापन क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये सम्मानित (2007)
3. राष्ट्रीय हिन्दी परिषद, मेरठ द्वारा हिन्दी भाषा साहित्य और संस्कृति अध्ययन के लिये हिन्दी रत्न सम्मान से सम्मानित (2008)
4. दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार के साथ शिक्षा और उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिए समेकित भारतीय साहित्य परिषद, उ.प्र. द्वारा सम्मानित (2009)
5. इण्डिया न्यूज टी.वी. मीडिया एवं जनसंदेश टाईम्स प्रिन्ट मिडिया द्वारा दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा में विशेष योगदान के लिये उत्तराखण्ड आइकान अवार्ड 2013 द्वारा सम्मानित।
6. हिन्दी कश्मीरी संगम, श्रीनगर, कश्मीर द्वारा तमिल–हिन्दी साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन में योगदान के लिए "स्वामी विवेकानन्द शारदा" सम्मान से सम्मानित (अगस्त 2017)
7. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) की पत्रिका "भाषा" और विश्वव्यापी हिन्दी संचार केन्द्र आईजाल, मिजोरम द्वारा भारतीय आत्मकथा साहित्य पर प्रस्तुत शोध–पत्र के लिये सम्मानित (अक्टूबर 2017)

(स) अन्तर्राष्ट्रीय :

1. शोध और तुलनात्मक अध्ययन के लिय भारतीय–नार्वेजीयन सांस्कृतिक फोरम, ओस्लो, नार्वे द्वारा सम्मानित (2009)
2. महात्मा फुलेटैलेंट सर्च अकादमी द्वारा दक्षिण भारत में हिन्दी में हायर एजूकेशन तथा शोध कार्य के लिये फेबलो नेरूडा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान द्वारा सम्मानित (2015)

विदेश भ्रमण :

1. 8वें वर्ल्ड हिन्दी कान्फ्रेन्स जिसका आयोजन न्यूयार्क शहर में किया गया था, विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर प्रपत्र की प्रस्तुति।
2. भारतीय–नार्वेजीयन सांस्कृतिक फोरम द्वारा ओस्लो, नार्वे में नार्वेजीयन साहित्य का हिन्दी–साहित्य से तुलनात्मक शोध प्रस्तुति पर सम्मानित।
3. यू.एस.ए. डेनमार्क, स्वीडन, उजबेकिस्तान एवं न्यूजीलैण्ड की यात्रा।

अन्य योगदान :

1. यू.जी.सी. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट – सत्तरोत्तर हिन्दी एवं तमिल कथा साहित्य की रचना प्रक्रिया।
2. आकाशवाणी के वाराणसी, भुज एवं चेन्नई केन्द्रों से वार्ता का प्रसारण।
3. जी. टी.वी. के नेशनल नेटवर्क पर अध्यात्मिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवचन श्रृंखला का प्रसारण।
4. जी. टी.वी. द्वारा प्रसारित **छोटी माँ** सीरियल के 50 ऐपिसोड की स्क्रिप्ट राइटिंग।
5. विश्वविद्यालयीय, विद्यालयीय शिक्षा के अध्ययन सामग्री तैयार करने तथा वीडियो द्वारा हिन्दी शिक्षण कार्यक्रम सहयोग।
6. विशेषज्ञ के रूप में भारत सरकार के साइंटिफिक एवं टेक्निकल डिक्शनरी के निर्माण कार्यक्रम में सहयोग।
7. **अध्यक्ष, तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी**

कुलपति जी का उद्‌बोधन

विश्वविद्यालय के चौबीसवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष, माननीय कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, समारोह के सम्माननीय मुख्य अतिथि विश्वविख्यात कृषि वैज्ञानिक आदरणीय प्रो0 पंजाब सिंह जी, कुलाधिपति (रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, उ.प्र.), कार्य परिषद, विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित सभी सम्मानित जन प्रतिनिधिगण, सम्मानित अतिथिगण, समस्त शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्ण पदक विजेता मेधावियों, जौनपुर के विभिन्न स्कूलों से आये प्रिय नन्हें–मुन्ने बच्चों, समस्त विद्यार्थी तथा अभिभावक एवं उपस्थित देवियों और सज्जनों –

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर मैं, विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर आयोजित इस दीक्षान्त समारोह में माँ सरस्वती के चरणों की वन्दना करती हूँ तथा अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में अन्वेषणात्मक कीर्तिमान स्थापित करने वाली वात्सल्य एवं ममतामयी भाव से ओतप्रोत हमारी संरक्षक, मार्गदर्शक एवं प्रेरणा–स्रोत आदरणीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी का मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक अभिनंदन–वन्दन और स्वागत करती हूँ। माननीय कुलाधिपति जी के प्रेरणादायी, मौलिक एवं व्यावहारिक तथा समसामयिक निर्देशन ने, प्रदेश की विश्वविद्यालयीय उच्च शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाओं के साथ नई सोच, नई दिशा तथा नव चेतना को पुनः जाग्रत किया है। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता के फलस्वरूप पूरे प्रदेश की उच्च शिक्षा को नई दिशा प्राप्त हुई है। नई शिक्षा नीति के साथ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय धारा में लाने की आपकी कटिबद्धता से शिक्षा जगत आश्वस्त हुआ है। हम, पुनः आपका हृदय की गहराइयों से स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं।

समारोह के माननीय मुख्य अतिथि, विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अप्रतिम प्रतिभा के धनी, आई0सी0ए0आर0 के पूर्व महानिदेशक तथा लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के सम्माननीय कुलाधिपति आदरणीय प्रो0 पंजाब सिंह जी ने हमारे आमंत्रण को स्वीकार किया, हम विश्वविद्यालय परिसर में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करते हैं। मुख्य अतिथि जी, आपका आशीर्वाद ही हमारे प्रिय छात्रों को नई ऊँचाईयों तक सहज में ही पहुँचा देगा। आपने दीक्षान्त समारोह में, उद्‌बोधन देने के लिये, हमारे आमंत्रण को स्वीकार किया, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिवार हृदय से आपका आभारी है।

आज मैं, सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वालों विद्यार्थियों को बधाई देती हूँ जिन्होंने आज अपने अनवरत् परिश्रम के बल पर जीवन का एक सोपान पार किया है तथा विद्याध्ययन कर, ज्ञानार्जन किया है। नये ज्ञान का सृजन इस पीढ़ी को निरन्तर नई दिशा प्रदान करता रहेगा। प्रिय विद्यार्थियों ज्ञानार्जन के लिए जूझते रहना एक विद्यार्थी का पुनीत कर्त्तव्य होता है। प्रिय विद्यार्थियों, आज आपने कृषि, कला, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, विज्ञान, प्रबन्ध अध्ययन, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी एवं औषध संकायों में स्नातक, परास्नातक एवं पीएच.डी. की उपाधियों को अर्जित कर अपने अभिभावकों एंव गुरुजनों का सम्मान बढ़ाया है। विश्वविद्यालय परिवार आपको बधाई देता है। यह आपके शैक्षणिक जीवन का प्रारम्भिक सोपान है जिस पर चढ़कर आप अपने व्यक्तित्व को निरन्तर प्रखर बनायेंगे तथा संगठनों और व्यवसायों में निष्ठा पूर्वक कार्यरत रहते हुऐ उन्नति की ओर अग्रसर होंगे। आपकी यह निष्ठा नये युग का निर्माण करने में सहायक होगी। आप सदैव जनहित एवं राष्ट्रहित में कार्य करेंगे, यह हम सभी की आपसे अपेक्षा है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस अंचल में अवस्थित, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, परिक्षेत्र की अनेक भौगोलिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ हैं। यहाँ के विद्यार्थियों में असीम उत्साह एवं क्षमता है। उन्हें जीवन के प्रति आधुनिक विचारों के साथ नये–नये तकनीकी, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तनों से प्रशिक्षित करते हुए जीवन की ऊँचाईयों को छूने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है। बौद्धिक विकास की प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, अपने उद्‌देश्य एवं कर्त्तव्यों के प्रति कटिबद्ध रहते हुए, आप सबके सहयोग से निरंतर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकाश स्तम्भ की भाँति मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।

प्रिय विद्यार्थियों! मैंने अभी बौद्धिक विकास की बात की है। मैं कहना चाहूँगी कि विश्वविद्यालय न केवल एक शैक्षणिक संस्थान है, बल्कि बौद्धिक एवं चारित्रिक चेतना के निर्माण का एक केन्द्र भी है। आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कक्षाओं, योग्य शिक्षकों के मार्गदर्शन, उपयुक्त प्रशिक्षण एवं पाठ्येतर गतिविधियों में तल्लीनता ही बहुमुखी विकास के मार्ग को प्रशस्त कर सकती है। ज्ञानार्जन के विभिन्न तकनीकी साधनों के बावजूद परम्परागत कक्षाओं में विद्यार्थी एवं शिक्षक का शैक्षणिक संवाद उनके प्रभावशाली निर्माण का सर्वोच्च कारक सिद्ध होता है। इस अवसर पर मुझे विश्वविद्यालय की पाठ्येत्तर गतिविधियों से जुड़ी उपलब्धियों की चर्चा करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। जहाँ एन0एस0एस0 एवं रोवर्स रेंजर्स जैसी गतिविधियों में विश्वविद्यालय का राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है तथा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं विगत वर्षों में राजभवन, विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट सफलता का न केवल साक्षी रहा है, अपितु मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन भी

करता रहा है। इस प्रसंग में मैं महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा छात्रों को दिये गये एक उपदेश का स्मरण कराना चाहती हूँ– "विश्वविद्यालय में निवास करने का पहला कर्त्तव्य यह है कि व्यायाम करके शरीर बनाएँ। पहले स्वास्थ्य सुधारें फिर विद्या पढ़ें। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का सन्निवेश करें, तो (हम) जीवन का लाभ उठा सकते हैं। नित्य सुबह–शाम, नियम से व्यायाम करें। शाम को खेलें। मैदान में विचरें। जल्दी भोजन करें और नियम से नित्य अध्ययन करें।.....विद्वानों का उपदेश सुनें। उनका अनुभव ग्रहण करें और आशीर्वाद लें। अपनी रक्षा आप स्वयं करें। समय की पाबन्दी रखें। व्यर्थ में समय नष्ट न करें।" मुझे लगता है कि मालवीय जी के इन वाक्यों को हम सभी को दिनचर्या में लाना चाहिए।

बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर अपने उद्देश्यों के निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कोविड काल में भी विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहा है। विगत कुछ माह में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासकीय, अनुसंधान, संगोष्ठी / प्रशिक्षण, मासिक परिचर्चा, निर्माण, पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रमों के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य एवं शासन की मंशानुसार निर्देशित अन्य कार्यों का विश्वविद्यालय ने आगे बढ़कर सम्पादन एवं नेतृत्व किया है तथा कतिपय विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है जिन्हें मैं आज इस अवसर पर आप सभी के संज्ञान में लाना चाहूँगी –

- हमें गर्व है कि विगत माह, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, अखिल भारतीय स्तर पर शोध गंगा पोर्टल पर भारत के 10 सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय में शामिल हो चुका है तथा उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया है।
- विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है तथा प्रदेश सरकार द्वारा इस विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु प्रदेश में सर्वाधिक छात्र संख्या का आंवटन किया है। यह प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जिसके दो स्वयं सेवकों स्नेहा मिश्रा एवं विशाल कुमार ने इस वर्ष सम्पन्न गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग किया। एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार पाण्डेय ने उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के स्वयं सेवकों की टीम का गणतंत्र दिवस की परेड में नेतृत्व किया।
- कोविड–19 के दौरान ही विश्वविद्यालय की विभिन्न जनपदों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा 100 से अधिक गाँवों को मास्क, साबुन, सेनेटाइजर एवं खाद्य सामग्री वितरित कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के दो कार्यक्रम अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश शासन एवं यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से चलाये गये "मुस्कराएगा इंडिया" अभियान में कोरोना से भयभीत लोगों की सर्वाधिक काउंसिलिंग करके, माह मई एवं जुलाई 2020 में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- नारी सुरक्षा, स्वावलम्बन एवं सम्मान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी गयी योजनाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने मिशन शक्ति अभियान के तहत एक दर्जन से अधिक वेबिनार आयोजित किये, जिसमें प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी, सहित अनेक महिला प्रोफेसर्स एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया।
- अपनी विशिष्ट गतिविधियों के कारण विश्वविद्यालय के रोवर्स / रेंजर्स, विगत 04 वर्षों से अनवरत् प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं।
- बेसिक रोवर्स / रेंजर्स लीडर कोर्स और एडवांस कोर्स प्रदेश में पहली बार वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ है। रोवर्स / रेंजर्स प्रादेशिक रैली भी प्रदेश में प्रथम बार किसी विश्वविद्यालय में आयोजित की गई है तो वह वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय ही है।
- कोविड–19 वैश्विक महामारी के समय में, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये गये है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन पूर्ण कराने के लिए प्राध्यापकों द्वारा आनलाइन प्लेटफार्म का प्रयोग करके कक्षायें संचालित की गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट निर्देशन, ऑनलाइन इंटर्नशिप, ई–कंटेंट एवं वीडियो लेक्चर बनाने का कार्य तथा पाठ्यक्रम सम्बन्धी नोट्स के ऑनलाइन संदेश प्रेषण का कार्य किया गया तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विगत 05 माह में 02 दर्जन से अधिक आनलाइन वेबिनार एवं संगोष्ठियों का आयोजन, कोविड–19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के विगत 10 वर्षों से बन्द पड़ी 46 परियोजनाओं का संज्ञान लेकर प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग की सहायता से उनको पुनः प्रारम्भ करने का कार्य किया गया।
- वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा आयोजित बापू बाजार को विशिष्ट पहचान मिली है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न जनपदों में अभी तक 60 बापू बाजार आयोजित किये जा चुके हैं, जिनके माध्यम से गरीबों को ससम्मान सहायता के रूप में आवश्यक वस्त्र, कम्बल, खिलौने, जूते, चप्पल आदि प्रदान किये गये। बापू बाजार से अर्जित धनराशि से बापू स्वाभिमान कोष में अब तक रुपया 2,45,504 / – (दो लाख पैतालीस हजार पॉच सौ चार) जमा है। बापू बाजार एक अनूठी पहल है, जिसकी गूंज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार तक पहुँच चुकी है।

- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये 50 गाँवों में से 07 गाँवों में एवं जनपद के वृद्धाश्रम में गरीबों के सहायतार्थ कम्बलों एवं खाद्य सामग्री का वितरण कोविड काल में किया गया है।
- समय–समय पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा अपने बैनर तले, सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत बेटी–बचाओ बेटी–पढ़ाओ, उज्वला योजना, उन्नत भारत अभियान, कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, साक्षरता, सोशल मीडिया के सामाजिक उपयोग, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियंत्रण सप्ताह, एड्स जागरूकता, मतदाता जागरूकता मिशन, इंद्रधनुष, पल्स पोलियो टीकाकरण, निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं ग्रामीण जागरूकता शिविर, सड़क सुरक्षा माह आदि समाज के उपयोगी विषयों पर अनवरत् कार्य किये जा रहे हैं।
- उत्तर प्रदेश शासन ने, भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए इस विश्वविद्यालय में भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाने का निर्णय लिया है। यह केंद्र प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में स्थापित छह अन्य भाषा केंद्रों की निगरानी एवं संचालन करेगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना के अंतर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा पूर्वान्चल विश्वविद्यालय को भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र बनाया गया है।
- उत्तर प्रदेश शासन ने, विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए अनुवाद उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा तथा लेखकों की कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद करेगा। इससे लोक साहित्य एवं संस्कृति को वैश्विक पटल पर बढ़ावा मिलेगा।
- विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में वर्ष 2019 में परामर्श केंद्र की स्थापना की गई है। विभाग के शिक्षकों द्वारा, परामर्श केंद्र में छात्र–छात्राओं तथा आसपास के लोगों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से निरन्तर कार्य किया जा रहा है। लॉकडाउन के दौरान परामर्श केंद्र द्वारा "कोरोना से जंग हमारे संग" की थीम पर ऑनलाइन काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
- विश्वविद्यालय ने आनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन कराने का सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत अब दुनिया के किसी कोने से एक क्लिक में किसी भी अंकपत्र का सत्यापन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने 1988 से लेकर अब तक के विद्यार्थियों का अंकपत्र वेबसाइड पर अपलोड कर दिया है। देश–विदेश में कार्य करने वाले विद्यार्थियों को आनलाइन अंकपत्र सत्यापन से काफी सहूलियत मिली है।
- उत्तर प्रदेश शासन की पहल पर विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के नवस्थापित तीन राजकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए 14 रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हेतु, उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किये गये है। प्रस्ताव स्वीकृत होने पर इन पाठ्यक्रमों का संचालन इन महाविद्यालयों में किया जायेगा।

आदरणीय कुलाधिपति जी आपके संरक्षण में हम अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत हैं। आपके मार्गदर्शन से हमारा विश्वविद्यालय अपने निर्धारित उद्देश्यों को निरन्तर प्राप्त कर सकेगा, जिससे हमारे छात्र, देश ही नहीं विभिन्न क्षेत्रों में सम्पूर्ण जगत को नेतृत्व प्रदान करेंगे, इसका हमें पूर्ण विश्वास हो रहा है। हमारा प्रयास है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रदेश ही नहीं, देश के समस्त विश्वविद्यालयों की पंक्ति में सच्चे अर्थो में प्रमुख स्थान प्राप्त करे।

पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय की संक्रान्तिमय उपलब्धियाँ, समर्पित शिक्षक, प्राचार्य, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्यक्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाज सेवी मित्रों, संस्थाओं तथा उ0प्र0 शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं।

मैं सभी स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुनः हार्दिक बधाई देती हूँ और आशा करती हूँ वे अपने–अपने उत्कृष्ट योगदान से विश्वविद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे। मैं, इस महन्त अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में उपस्थित सभी अभिभावकों, डिग्री धारकों, स्वर्ण पदक विजेताओं एवं आमंत्रित स्वनामधन्य समस्त सुधी जनों का ''बसंत पंचमी'' के पावन दिवस पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करती हूँ तथा कक्षा 06 से कक्षा 08 तक के छात्र–छात्राओं को मैं अपना आर्शीवाद देती हूँ कि वे अपने जीवन में आगे बढ़ें और इसी तरह गोल्ड मेडलिस्ट बनें तथा हमारी माननीया कुलाधिपति जी, मुख्य अतिथि जी एवं आप सभी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

जय हिन्द, जय भारत।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

जीवन परिचय

जन्म तारीख : 21 नवम्बर, 1941

जन्म स्थान : खरोद, विजापुर तालुका, जिला - मेहसाणा।

शिक्षा : एम.एस-सी., एम.एड्. (गोल्ड मेडलिस्ट)।

व्यवसाय : सेवानिवृत्त प्राचार्य (मोहिनाबा गर्ल्स हाईस्कूल, अहमदाबाद) एवं समाज सेवा।

साहित्यिक गतिविधियाँ : समय-समय पर धरती, साधना एवं सखी पत्रिकाओं के लिए लेखन।

रुचि : अध्ययन, लेखन, यात्रा, जनसंपर्क।

प्रकाशित पुस्तक : 'ए मने हमेशा याद रहेशे' (गुजराती संस्करण), 'प्रयास' 'प्रतिबिंब'।

संसदीय जीवन

- राज्यसभा सदस्य वर्ष 1994-1998
- वर्ष 1998 मांडल विधानसभा क्षेत्र जिला अहमदाबाद से चुनकर विधायक बनीं।
- वर्ष 1998 से 2002 शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमिक, वयस्क) एवं महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रहीं।
- पाटन विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2002 से दूसरी बार विधायक बनी और वर्ष 2002 से 2007 तक शिक्षा (प्रारंभिक, माध्यमि वयस्क), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि मंत्री के पद पर रहीं।
- वर्ष 2007 पाटन विधानसभा क्षेत्र से तीसरी बार विधायक बनीं। वर्ष 2007 से 2012 तक राजस्व, आपदा प्रबन्धन, सड़क भवन, राजधानी परियोजना, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री रही।
- वर्ष 2012 में अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार लगातार विधायक बनीं तथा राज्य में सबसे अ मतों से विजय रहीं। वर्ष 2012 से 2014 तक राजस्व, सूखा राहत, भूमि सुधार, पुनर्वास, पुर्नर्निमाण, सड़क एवं भवन, राजधानी परियोजना, शहरी विकास शहरी आवास मंत्री रहीं।
- 22 मई 2014 से 7 अगस्त 2016 तक गुजरात राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री रहीं।
- 15 अगस्त 2018 से 28 जुलाई 2019 तक छत्तीसगढ़ की माननीय राज्यपाल रहीं।
- 23 जनवरी 2018 से 28 जुलाई 2019 तक मध्यप्रदेश की माननीय राज्यपाल रहीं।

राजनैतिक गतिविधियाँ

- 1987 में राजनीति से जुड़ी इस दौरान भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष, प्रदेश इकाई की भाजपा उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहीं।
- 1992 में भाजपा द्वारा आयोजित कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की एकता यात्रा में शामिल होने वाली गुजरात की एक मात्र महिला रहीं। काश्मीर में तिरंगा नहीं लहरा देने की आतंकवादियों की धमकी के बावजूद 26 जनवरी 1992 में श्रीनगर के लाल चौक में राष्ट्रध्वज फहराने में शमिल थीं।

मुख्यमंत्री कार्यकाल में उपलब्धियाँ

- गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को मुफ्त इलाज के लिए 'माँ वात्सल्य योजना' प्रारम्भ की।
- सभी गरीब वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु 'युवा स्वावलंबन योजना' प्रारम्भ की।
- गुजरात को 100 प्रतिशत ओ.डी.एफ. (खुले में शौच-मुक्त) का अभियान चलाया।
- गुजरात को टोल टैक्स मुक्त (गैर व्यावसायिक वाहनों के लिए) बनाया।
- सभी महिलाओं के लिए कैंसर की जाँच एवं मुफ्त इलाज प्रारम्भ किया।
- नर्मदा के पानी को खेत तक पहुँचाने के लिए शाखा नहर, लघु नहर, उपलघु नहर के लिए सर्वसम्मति से जमीन संपादन का सफलतापूर्वक अभियान चलाया।
- सबसे कम समय में 100 से ज्यादा नगर नियोजन योजना को मंजूरी दी।
- विद्या सहायक योजना का पारदर्शक अमलीकरण।
- विद्या लक्ष्मी बॉन्ड एवं विद्या दीप योजनाएँ लागू की।
- माता यशोदा अवार्ड की घोषणा की।
- प्रक्रियात्मक सरलीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का समुचित उपयोग।
- 10,000 करोड़ की लागत से ग्राम रास्तों का निर्माण।

सम्मान एवं पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्कूली शिक्षा के दौरान मेहसाणा के स्कूल स्पोर्ट्स फेस्टिवल में वीर बाला पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1988 में गुजरात राज्य के 'श्रेष्ठ शिक्षक' पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1990 में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 'श्रेष्ठ शिक्षक' सम्मान से सम्मानित।
- मोहिनाबा कन्या विद्यालय की दो छात्राओं को जो तैरना नहीं जाननी थी बावजूद नर्मदा नदी में डूबने से बचाने के लिए गुजरात सरकार के वीरता पुरस्कार से सम्मानित।
- वर्ष 1999 में पटेल जागृति मण्डल, मुम्बई द्वारा 'सरदार पटेल पुरस्कार'।
- वर्ष 2000 में श्री तपोधन ब्राम्हण विकास मण्डल द्वारा 'विद्या गौरव' पुरस्कार।
- वर्ष 2005 में पटेल समुदाय द्वारा 'पाटीदार शिरोमणि' पुरस्कार दिया गया।
- अम्बुभाई पुरानी व्यायाम विद्यालय, राजपीपला द्वारा भी सम्मानित किया गया।
- चारुमति योद्धा अवार्ड द्वारा सम्मानित।

विदेश-यात्राएँ

- चौथी वर्ल्ड वूमेन्स कान्फ्रेंस, बीजिंग (चीन) में भारत सरकार के दल में शामिल हुई।
- वर्ष 1996 में भारतीय संसदीय दल के साथ बुलगारिया की यात्रा एवं फ्रांस, जर्मनी, हालैण्ड, इंग्लैण्ड, नीदरलैण्ड, अमेरिका, कनाडा एवं मेक्सिको आदि की शैक्षिक अध्ययन यात्राएँ।
- वर्ष 2002 में कॉमन वेल्थ पार्लियामेन्ट्री एसोसिएशन की गुजरात शाखा के दल के साथ नामीबिया-साउथ अफ्रीका में 48वीं कान्फ्रेंस में शामिल हुई।
- सितम्बर 2009 में आपने लंदन में विलेज इण्डिया प्रोग्राम में गुजरात का प्रतिनिधित्व किया।
- मई 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी के साथ गुजरात के व्यापारिक प्रतिनिधि-मण्डल के साथ बतौर मुख्यमंत्री चीन की यात्रा।

संस्थाएँ

- सहियर, ग्रामश्री।

मुख्य अतिथि प्रो0 पंजाब सिंह का संक्षिप्त परिचय

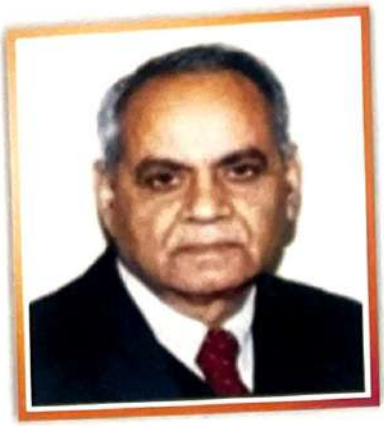

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के माननीय कुलाधिपति एवं राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रो0 पंजाब सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के एक छोटे से गाँव अनंतपुर में हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी से हुई, जहाँ आपने वर्ष 1964 में एम0एस0सी0 कृषि की परीक्षा प्रथम श्रेणी में विशिष्टता के साथ उत्तीर्ण की। साथ ही आपने आगरा विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। आपने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय डेविस, अमेरिका के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से जलप्रबंधन में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की।

प्रो0 सिंह ने अपनी सेवा असिस्टेण्ट प्रोफेसर के रूप में शुरू की तथा उसको सचिव, कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ऊँचाइयों तक पहुँचाया। आपने बहुत सारे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले पदों यथा, कृषि अर्थशास्त्रीय विभाग प्रमुख सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद निदेशक, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झाँसी निदेशक, भारतीय कृषि शोध संस्थान जो कि पूसा इन्स्टीटयूट के नाम से विख्यात है कुलपति, जवाहर लाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय, जबलपुर का निर्वहन किया। आपने विश्व के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के संस्थापक निदेशक तथा सर्वविद्या की राजधानी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति के पदों को भी सुशोभित किया।

आपने बैंकाक, थाइलैंड में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के रीजनल प्लांट प्रोडक्सन एवं प्रोटेक्सन अधिकारी के रूप में कार्य किया। आप बहुराष्ट्रीय इ.टी.ए. स्टार ग्रुप ऑफ कॉरपोरेट के कृषि एवं वृक्षारोपण सलाहकार भी रहे। आप वर्तमान में फाउडेंशन फॉर एडवॉसमेंट ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट के अध्यक्ष तथा आर.के.डी.एफ. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सलाहकार हैं।

प्रो0 सिंह नौ विभिन्न वैज्ञानिक सोसाईटीज के निर्वाचित फेलो, छह सोसाइटीज के अध्यक्ष एवं पाँच वैज्ञानिक अकादमिक सोसाइटीज के उपाध्यक्ष हैं। प्रो0 सिंह विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थाओं के अध्यक्ष, तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, बोर्ड ऑफ मेंनेजमेंट तथा एडवाइजरी बोर्ड के भी सदस्य रह चुके हैं। उदाहरणार्थ, आई.सी.ए.आर. गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष, आइ.सी.आर.आइ.एस.ए.टी. गवर्निंग बॉडी के उपाध्यक्ष पॉलिसी एडवाईजरी बोर्ड, ए.सी.आइ.आर. आस्ट्रेलिया के सदस्य कन्टिन्यूइंग कमेटी ऑफ इण्टरनेशल रेंज लैण्ड एण्ड इंटरनेशनल ग्रासलैण्ड कांग्रेस के सदस्यय एडिटोरियल बोर्ड ऑफ ग्लासलैंडस एण्ड हर्बेस एक्सट्रेक्टस, सी.ए.बी. इण्टरनेशनल यू.के. के सदस्य जैपनीज़ सोसाइटी ऑफ ग्रासलैण्ड साइंस, जापान यूरोपियन यूनियन प्रोजक्टस के विशेषज्ञ सदस्य 1992 के रमन मैग्सेसे अवार्ड फिलिपीन्स के विशेषज्ञ मण्डल के सदस्य आई.सी.ए.आर., यू.जी.सी., एच.आर.डी., कृषि मंत्रालय, डी.एस.टी. एवं योजना आयोग आदि के सदस्य रह चुके हैं।

आप खाद्य एवं कृषि संस्था, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक इत्यादि के परामर्शदाता के रूप में अपनी सेवायें प्रदान कर चुके हैं। प्रो0 सिंह को भारत के 10 विश्वविद्यालयों द्वारा डी.एस.सी. की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया है। इसके साथ ही आपको प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर एल्युमनस अवार्ड, इण्डियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, रेंज मैनेजमेंट सोसाइटी ऑफ इण्डिया तथा सोसाइटी फॉर बायोरिसोर्सेज एण्ड स्ट्रेस मैंनेजमेंट द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भी प्राप्त हो चुके हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त आपको विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो0 सिंह राज्य और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों तथा राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद, हैदराबाद के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष इत्यादि वरिष्ठ पदों के चयन के लिए गठित सर्च समितियों के सदस्य तथा अध्यक्ष रह हैं। आपने इण्डियन इस्टियूट ऑफ साइंस, बैंगलोर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय की सभाओं के सदस्य के रूप में सेवायें दी हैं। आप इण्डियन इन्स्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला की गवर्निंग बॉडी, मणिपुर और नागालैण्ड विश्वविद्यालयों की कार्यपरिषद, आई.सी.सी.आर. नई दिल्ली की सामान्य सभा एवं नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के सदस्य रहे हैं।

प्रो0 सिंह ने भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय में कृषि एवं ग्रामीण तकनीकी सलाहकार तथा मंत्रालय के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में दो कार्यकाल तक अपनी सेवायें दी हैं। आपने विभिन्न क्षमताओं में यथा प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्वकर्ता विशेषज्ञ सदस्य तथा सम्मेलनों में प्रतिभागी सदस्य के रूप में विभिन्न महाद्वीपों के लगभग तीस देशों की विदेश यात्रायें की हैं।

प्रो. सिंह ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर की शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों को उत्कृष्ट आकार प्रदान करने के अतिरिक्त जल प्रबंधन, फसल उत्पादन और प्रबंधन प्रणालियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान दिया है। आपने मिर्जापुर जिले के बरकछा में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का एक नया दक्षिणी परिसर स्थापित करने में महत्पूर्ण भूमिका निभाई है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर रोजगारोन्मुखी कई पाठ्यक्रमों को संचालित करते हुए यह परिसर पुष्पित एवं पल्लवित हो रहा है। आपके कुशल नेतृत्व के कारण ही आईटी, बीएचयू एवं आइएमएस बीएचयू के स्तर का उन्नयन करते हुए आईटी बीएचयू को आईआईटी, बीएचयू का दर्जा प्राप्त हुआ और आईएमएस, बीएचयू में एक बड़ा ट्रामा केंद्र स्थापित हो सका।

मुख्य अतिथि का उद्बोधन

प्रो० पंजाब सिंह

कुलाधिपति, रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

24वें में दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष माननीय कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल जी, माननीय कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य जी, कार्य परिषद, विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, सम्मानित अतिथिगण, समस्त प्राचार्य, शिक्षकगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं सोशल मीडिया के पत्रकार बंधुओं, उपाधि प्राप्तकर्ताओं, स्वर्ण पदक विजेताओं, मेधावी विद्यार्थियों एवं अभिभावकगण।

मैं आप सबका आभारी हूँ कि आप लोगों ने विश्वविद्यालय के सबसे महत्वपूर्ण समारोह में मुझे आमंत्रित किया और कुछ कहने का अवसर दिया। सर्वप्रथम मैं विश्वविद्यालय से विभिन्न विषयों में स्नातक, परास्नातक स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता मेधावी छात्र–छात्राओं तथा अन्य उपाधियों को अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए, शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं कि आप सभी देश ही नहीं पूरे विश्व में अपने ज्ञान की पताका लहरावें तथा जहां भी अवसर प्राप्त हो वहां स्वयं को प्रमाणित करते रहें।

इतिहास के पन्नों में भारत को विश्व गुरु अर्थात विश्व को पढ़ाने वाला माना गया है क्योंकि, भारत देश की प्राचीन अर्थव्यवस्था, राजनीति और यहाँ के लोग ज्ञान से समृद्ध थे। भारत की योग पद्धति, महर्षि सुश्रुत द्वारा प्रदत्त शल्य चिकित्सा (सर्जरी), महर्षि आर्यभट्ट का दिया हुआ शून्य, दुनिया को ज्योतिष शास्त्र की अनोखी भेंट, प्राचीन भाषा संस्कृत जिसे देववाणी भी कहा जाता है आदि कारणों से पूरब से लेकर पश्चिम तक सभी देश भारत का लोहा मानते थे। भारत की समृद्धता और धन को देखकर ही विदेशियों ने भारत पर आक्रमण किया ताकि भारत के धन से अपने को पोषित किया।

'न्यू इंडिया' के स्लोगन के साथ भारत एक बार पुनः अपनी खोई हुई स्थिति को प्राप्त करना चाहता है। हम सभी उन दिनों के वैभव को तरसते हैं, जब हमारे लोग विचार के शिखर पर जा पहुँचे थे, दिव्यता की महान समझ प्राप्त की थी और जीवनयापन के उत्कृष्ट तरीकों का आविष्कार किया था परंतु विश्व गुरु पद सरलता से वापस नहीं लिया जा सकता। इसके लिए नए सिरे से जी तोड़ मेहनत करनी होगी तथा हम सबको आधुनिक समय के अनुरूप नई सोच के साथ एक बार फिर तपस्या करनी होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार लाने के साथ–साथ हमें अपने प्रशासनिक मशीनरी को पारदर्शी व जवाबदेह बनाना होगा। वर्तमान में भारत सरकार इस दिशा में गंभीर है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार हेतु नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, कृषि एवं कृषकों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने के उद्देश्य से कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020, तथा 'मेक इन इंडिया' (Make In India), डिजिटल इंडिया (Digital India), मुद्रा बैंक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र, स्मार्ट सिटी, समर्थ योजना, वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यवसाय को सहायता और समर्थन, आत्मनिर्भर भारत के लिए वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना आदि के द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधार भारत सरकार के महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत एक युवा देश है। युवाओं के मामले में हम विश्व में सबसे समृद्ध देश हैं, दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा युवा हमारे देश में हैं। भारत सरकार की यूथ इन इंडिया, 2017 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 1971 से 2011 के बीच युवाओं की आबादी में 34.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश चीन में युवाओं की संख्या जहां कुल आबादी की 22.31 प्रतिशत होगी और जापान में यह 20.10 प्रतिशत होगी, तब भारत में यह आंकड़ा सबसे अधिक 32.26 प्रतिशत होगा। यानी भारत अपने भविष्य के उस सुनहरे दौर के करीब है, जहां उसकी अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों को छू सकती है। युवाओं में ऊर्जा है, उत्साह है, उमंग है, उत्सुकता है, असीमित संभावनाओं से युक्त कल्पनाओं की उड़ान है। सपनों को देखने और उसे पूरा करने की हिम्मत है। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति–2020 देश के युवाओं में उड़ान भरने के लिए पंख लगाने एवं पुराने गौरव को प्राप्त करने का एक प्रयास है। नई शिक्षा नीति युवाओं का भविष्य बनाने से ज्यादा, भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करने पर बल देती है। हमें अपनी युवा पीढ़ी को सही मायनों में शिक्षित करना होगा, उन्हें किताबी ज्ञान से बाहर निकाल कर व्यावहारिक ज्ञान की सीमाओं तक लाना होगा। हमारा युवा नौकरी देने वाला उद्यमी बने, एक उद्यमी बने, न कि नौकरी ढूंढ़ने वाला। एक प्रकार से स्वरोजगार को बल दिया गया है। नई शिक्षा नीति अपनी युवा पीढ़ी को शिक्षित करने के साथ–साथ संस्कारित भी करेगी। नई शिक्षा नीति ऐसी युवा पीढ़ी के निर्माण पर बल देती है जो देश के सहारे खुद आगे जाने के बजाय, अपने सहारे देश को आगे ले जाने में समर्थ हो। आज भारत सरकार नई शिक्षा नीति को लागू करके भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के प्रयास में लगी है।

भारतीय शिक्षा का इतिहास भारतीय सभ्यता का दर्पण है और हमारी भव्य विकसित सभ्यता का प्रमाण भी। इसलिए भारतीय समाज के विकास और उसमें होने वाले परिवर्तनों की रूपरेखा में हम शिक्षा की जगह उसकी

भूमिका को भी निरंतर विकास शील पाते हैं । भारत की शिक्षा व्यवस्था से सर्व समाज लाभान्वित हुआ है। काशी, तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, वल्लभी, वंदनपुरी, नदिया, मिथिला, प्रयाग, अयोध्या जैसे शिक्षा के पुरातन केंद्रों के बल पर ही भारत विश्व गुरु था। हमारे उच्च शिक्षा के केंद्रों तथा विश्वविद्यालयों को इन पुरातन शैक्षिक केंद्रों से खुराक लेकर छात्रों का ऐसा बहुमुखी विकास करना होगा कि वे भारतीय संस्कृति के प्राणतत्व 'वसुधैव कुटुंबकम,' 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' 'त्येन त्यक्तेन भुंजीथा' को अपना जीवनादर्श बनाकर भारत को विश्व गुरु बनाने की ओर अग्रसर कर सकें।

शिक्षा के साथ–साथ स्वास्थ्य भी एक ऐसी मूलभूत आवश्यकता है जो देश के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचना जरूरी होता है। भारत सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं जिनका स्वागत किया जाना चाहिए। आयुष्मान भारत योजना के तहत हमारी सरकार देश के हर गरीब को इलाज के लिए पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा निःशुल्क दे रही है। एक अनुमान के मुताबिक देश के 50 करोड़ लोगों को अब पांच लाख रुपये तक का इलाज कराने पर अस्पताल को एक भी पैसा नहीं देना पड़ेगा। केंद्र सरकार 300 दुर्लभ बीमारियों के खात्मे के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय नीति तैयार कर रही है। देशभर में स्वास्थ्य सुविधाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं इन केंद्रों पर 800 से अधिक दवाएं बाजार में मिलने वाली दवाओं की तुलना में 80 प्रतिशत तक सस्ती हैं। हर 3 लोकसभा क्षेत्र पर एक मेडिकल कॉलेज, जीडीपी का 2.5 प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च का लक्ष्य, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत जिला अस्पतालों में गरीबों के लिए निशुल्क डायलिसिस सेवा देने की योजना पर सरकार काम कर रही है, जो स्वागत योग्य है। शिक्षा, स्वास्थ के साथ ही कृषि का भी अपने देश में अत्याधिक महत्व है। कृषि की जीडीपी में जहाँ 15 प्रतिशत योगदान है वही लगभग 50 प्रतिशत रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसलिए कृषि एवं कृषक को महत्व दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, उत्पादों के सही मूल्य एवं कृषि उत्पाद के लिए बाजार की व्यवस्था सुनिश्चित होगी तो निश्चित ही ग्रामीण उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

आप सभी ने इस विश्वविद्यालय में दीक्षान्त भाषण देने के आमंत्रित किया इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। जिन विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधि प्राप्त हुई उनको पुनः शुभकामनाएं देता हूँ।

सभी को मेरा नमन

जय हिन्द जय भारत

कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	डॉ0 रणविजय सिंह, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज।	सदस्य
3.	डॉ0 बाल गोविन्द सिंह, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, मलिकपुरा महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर।	सदस्य
4.	प्रो0 सुशील कुमार गौतम, पूर्व विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।	सदस्य
5.	प्रो0 आर0एन0 खरवार, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी0एच0यू0, वाराणसी।	सदस्य
6.	प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह, कुलपति, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।	सदस्य
7.	प्रो0 पी0सी0 पातंजलि, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
8.	प्रो0 अशोक कुमार श्रीवास्तव, उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
9.	डॉ0 प्रदीप कुमार, सह आचार्य, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
10.	डॉ0 रवि प्रकाश, सहायक आचार्य, उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।	सदस्य
11.	डॉ0 नूर तलत, प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय, शाहगंज, जौनपुर।	सदस्य
12.	डॉ0 मुनीव शर्मा, प्राचार्य, रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, बगली पिजड़ा, मऊ।	सदस्य
13.	डॉ0 सविता भारद्वाज, प्राचार्य, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर।	सदस्य
14.	डॉ0 विपिन चन्द्र अस्थाना, शारीरिक शिक्षा विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
15.	डॉ0 आनन्द सिंह, भूगोल विभाग, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
16.	श्री महेन्द्र कुमार, कुलसचिव, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सचिव
17.	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	विशेष आमंत्रित

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1. प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति।
2. डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।
3. डॉ0 रणविजय सिंह, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, प्रयागराज।
4. डॉ0 बाल गोविन्द सिंह, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, मलिकपुरा महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर।
5. डॉ0 समर बहादुर सिंह, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।
6. डॉ0 अशहद अहमद, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
7. प्रो0 राम नारायण, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।
8. डॉ0 मनोज मिश्र, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।
9. प्रो0 बी0बी0तिवारी, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।
10. प्रो0 अविनाश पाथर्डीकर, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विश्वविद्यालय परिसर।
11. डॉ0 संदीप कुमार सिंह, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
12. डॉ0 सन्तोष कुमार, भौतिकी विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।
13. डॉ0 राजकुमार, गणित विभाग, इंजीनियरिंग संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर।
14. प्रो0 अजय प्रताप सिंह, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
15. प्रो0 वी0डी0 शर्मा, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
16. डॉ0 संजीव गंगवार, कम्प्यूटर साइंस इंजी. एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
17. डॉ0 रजनीश भाष्कर, इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिंग विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
18. डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
19. डॉ0 सचिन अग्रवाल, वित्तीय अध्ययन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
20. डॉ0 कमलेश पाल, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
21. डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी विभाग, कूबा महाविद्यालय, दरियापुर नेवादा, आजमगढ़।
22. डॉ0 सत्येन्द्र प्रताप सिंह, भूगोल विभाग, सहकारी पी0जी0 कालेज, मिहरावाँ, जौनपुर।
23. डॉ0 श्रीमती शाहीन जाफरी, संस्कृत विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
24. डॉ0 एम0 जहूरूल आलम ,समाजशास्त्र विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
25. डॉ0 एस0 एन0 उपाध्याय, प्रा0 इतिहास विभाग, टी0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।
26. श्री रमेश चन्द्र दूबे, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0 जी0 कालेज ,चक्के, जौनपुर ।
27. डॉ0 मु0 ताहीर, उर्दू विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
28. डॉ0 श्रीमती शशि सिंह, इतिहास विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।
29. श्री मायानन्द उपाध्याय, शिक्षाशास्त्र विभाग, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।
30. श्री कुमुद चन्द्र पाठक, अंग्रेजी विभाग, सल्तनत बहादुर पी0 जी0 कालेज, बदलापुर, जौनुपर।
31. श्री जय प्रकाश मिश्र, दर्शनशास्त्र विभाग, गॉधी शताब्दी स्मारक पी0 जी0 कालेज, कोयलसा, आजमगढ़।
32. डॉ0 राम सबद यादव, अर्थशास्त्र विभाग, गन्ना कृषक पी0 जी0 कालेज, ताखा, शाहगंज, जौनपुर।
33. डॉ0 रणजीत सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर।
34. डॉ0 दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर।
35. डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर।
36. डॉ0 अवधेश कुमार द्विवेदी, भौतिकी विभाग, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज, जौनपुर।
37. श्री बीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।
38. डॉ0 अशोक कुमार सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।
39. डॉ0 सत्यप्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।
40. डॉ0 मोहिद्दीन आजाद इलाही, अरबी विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
41. डॉ0 विनय कुमार सिंह, बी0एड0 विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर।
42. श्री काजी नदीम आलम, विधि विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
43. डॉ0 विजेन्द्र कुमार सिंह, वाणिज्य विभाग, श्री गणेश राय पी0 जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर।
44. डॉ0 अरूण कुमार यादव, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर।

5. डॉ0 आलोक कुमार सिंह, कृषि वनस्पति विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। अध्यक्ष
6. डॉ0 एन0के0 मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
7. डॉ0 दिग्विजय सिंह, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
8. डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
9. श्री इन्द्रजीत, कृषि कीट विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी0जी0 कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
0. डॉ0 रमेश सिंह, पादप रोग विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
1. डॉ0 फूलचन्द सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी0 जी0 कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
2. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
3. डॉ0 रजनीश सिंह, कृषि उद्यान विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
4. डॉ0 मीता सरल, गृहविज्ञान विभाग, संत गणिनाथ राजकीय महाविद्यालय, मोहम्मदाबाद, गोहना, मऊ। सदस्य
5. डॉ0 श्याम कन्हैया सिंह, भूगर्भ विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
6. प्रो0 वन्दना राय, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
7. प्रो0 मानस पाण्डेय, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
8. प्रो0 राजेश शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
9. प्रो0 देवराज, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
0. डॉ0 मुनीव शर्मा, प्राचार्य, रामबचन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, बगली पिजड़ा, मऊ। सदस्य
1. डॉ0 प्रदीप कुमार, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
2. डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, भौतिक विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
3. डॉ0 प्रमोद कुमार, रसायन विज्ञान विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) भौतिकीय विज्ञान एवं शोध संस्थान, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
4. श्रीमती नूपुर तिवारी, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
5. डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
6. श्री आलोक गुप्ता, वित्तीय अध्ययन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
7. डॉ0 मुराद अली, व्यवसाय प्रबन्ध विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
8. डॉ0 विन्ध्याचल सिंह यादव, भूगोल विभाग, समता महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर। सदस्य
9. डॉ0 राजेश कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग,राष्ट्रीय पी0जी0कालेज, जमुहाई, जौनपुर। सदस्य
0. डॉ0 रमेश मणि त्रिपाठी, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0 जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर। सदस्य
1. डॉ0 अरविन्द कुमार मिश्र, अंग्रेजी विभाग, डी0सी0एस0के0 महाविद्यालय, मऊ। सदस्य
2. श्री राजीव प्रकाश सिंह, भूगोल विभाग, टी0डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
3. डॉ0 रविन्द्र नाथ राय, सैन्य विज्ञान विभाग, स्वामी सहजानन्द पी0जी0 कालेज, गाजीपुर। सदस्य
4. डॉ0 आनन्द सिंह, भूगोल विभाग, श्री गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
5. प्रो0 अजय द्विवेदी, वित्तीय अध्ययन विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
6. प्रो0 के0 पी0 सिंह, जन्तु विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
7. प्रो0 संजय सिंह, कुलपति, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ। सदस्य
8. डॉ0 मनोज पटेरिया, प्रमुख, एन.सी.एस.टी.सी.डी.एस.टी., नई दिल्ली। सदस्य
9. प्रो0 राजन हर्षे, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज। सदस्य
0. प्रो0 रिषभ देव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थान, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास। सदस्य
1. डॉ0 सुरेश राम, बी.एड. विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी। सदस्य
2. डॉ0 इन्द्रदेव, अर्थशास्त्र विभाग, सकलडीहा पी0जी0 कालेज, सकलडीहा, चन्दौली। सदस्य
3. डॉ0 मनीष कुमार गुप्ता, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
4. प्रो0 महक सिंह, विभागाध्यक्ष, जेनेटिक एण्ड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर। सदस्य

2020 : U.G. GOLD MEDALIST

Roll No. 216412

Student Name : MAYANK SINGH
Father's Name : Guru Dev Prasad Singh
Faculty/Department : B.Tech. (Mechanical Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4051/5000
Division : First
Percent : 81.02%

Roll No. 216522

Student Name : PRIYA MISHRA
Father's Name : Ajeet Kumar Mishra
Faculty/Department : B.Tech. (Electrical Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4311/5000
Division : First
Percent : 86.22%

Roll No. 216013

Student Name : TEJESWANI GOSWAMI
Father's Name : Late Dr Shiv Kumar Giri
Faculty/Department : B.Tech. (Electronic & Comm. Engg.)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3973/5000
Division : First
Percent : 79.46%

Roll No. 216304

Student Name : AKASH CHAUHAN
Father's Name : Shyam Dev Chauhan
Faculty/Department : B.Tech. (I.T. Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3985/5000
Division : First
Percent : 79.70%

Roll No. 216220

Student Name : PRIYANKA YADAV
Father's Name : Ram Briksha Yadav
Faculty/Department : B.Tech. (Comp. Sc. & Engineering)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 3904/5000
Division : First
Percent : 7808%

Roll No. 2016010

Student Name : ARTI PRAJAPATI
Father's Name : Hori Lal Prajapati
Faculty/Department : B.Pharma
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvancha University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4026/5000
Division : First
Percent : 80.52%

Roll No. 18822131066

Student Name : POOJA SINGH
Father's Name : Tej Bahadur Singh
Faculty/Department : B.A.
College / Institute : Shri Ram Dhari Chauhan Mahavidyalaya, Khiriya, Mau
Marks Obtain : 1445/1800
Division : First
Percent : 80.27%

Roll No. 18822174004

Student Name : SURYAKANTESH CHAUHAN
Father's Name : Suresh Chauhan
Faculty/Department : B.Sc.
College / Institute : Shri Ram Dhari Chauhan Mahavidyalaya, Khiriya, Mau
Marks Obtain : 1413/1800
Division : First
Percent : 78.50%

Roll No. 18692150911

Student Name : SHIVSHAKTI
Father's Name : Chandrshekhar
Faculty/Department : B.Com.
College / Institute : Ram Kishun Singh Mahavidyalaya Siddiqpur, Jaunpur
Marks Obtain : 1411/2000
Division : First
Percent : 70.55%

Roll No. 17204165019

Student Name : KM AKANKSHA YADAV
Father's Name : Vishnu Dev Yadav
Faculty/Department : B.Sc. (Ag.)
College / Institute : Shri Durgaji Snatkottar Ma yalaya, Chandesar, Azamg
Marks Obtain : 2316/2800
Division : First
Percent : 82.71%

Roll No. 18413214735

Student Name	KM. ARUNDHATI SINGH
Father's Name	Indrasen Singh
Faculty/Department	B.P.E.
College / Institute	Snatkottar Mahavidyalaya Ghazipur
Marks Obtain	1058/1600
Division	First
Percent	66.12%

Roll No. [illegible]

Student Name	POONAM
Father's Name	[illegible]
Faculty/Department	[illegible]
College / Institute	[illegible] Mahavidyalaya [illegible] Jaunpur
Marks Obtain	[illegible] P - 379/400
Division	[illegible]
Percent	[illegible] 25% P - 94.75%

Roll No. 18759019362

Student Name	SHASHANK MISHRA
Father's Name	Vinay Shankar Mishra
Faculty/Department	LL.B.
College / Institute	Uma Nath Singh Vidhi Mahavidyalaya, [illegible]
Marks Obtain	[illegible]
Division	[illegible]
Percent	[illegible]

Roll No. 18719000598

Student Name	GAUTAM KUMAR PANDEY
Father's Name	Suman Kumar Pande
Faculty/Department	B.B.A.
College / Institute	Microtek College of Mang. & Tech. Murtjabad, Kerakat, Jaunpur
Marks Obtain	3069/3600
Division	First
Percent	85.25%

Roll No. 18141000800

Student Name	TANMAY KRISHN SARRAF
Father's Name	Rajesh Sarraf
Faculty/Department	B.B.A.
College / Institute	Technical Education & Research Institute, Ghazipur
Marks Obtain	2892/3600
Division	First
Percent	80.33%

2020 : P.G. GOLD MEDALIST

Roll No. 217601

Student Name : ADIL KHAN
Father's Name : Riyaz Ahmad Khan
Faculty/Department : MCA
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 4007/6000
Division : First
Percent : 66.78%

Roll No. 1811063

Student Name : SIDDHARTH MAURYA
Father's Name : Shatrughan Maurya
Faculty/Department : M.B.A.
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2053/2800
Division : FIRST
Percent : 73.32 %

Roll No. 1814036

Student Name : SALONI SINGH
Father's Name : Gauri Shankar Singh
Faculty/Department : MBA (Business Economics)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2066/2800
Division : FIRST
Percent : 73.78 %

Roll No. 1815007

Student Name : KARAN PRATAP SINGH
Father's Name : Lal Pratap Singh
Faculty/Department : MBA (HRD)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2112/2800
Division : FIRST
Percent : 75.42 %

Roll No. 1822030

Student Name : RITU RAJ PATEL
Father's Name : Ram Bhajan Patel
Faculty/Department : M.Sc. (Microbiology)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 972/1200
Division : FIRST
Percent : 81.00 %

Roll No. 1824002

Student Name : ASTHA MAURYA
Father's Name : Raja Singh
Faculty/Department : M.Sc. (Environmental Sciences)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 933/1200
Division : FIRST
Percent : 77.75 %

Roll No. 1813001

Student Name : ANANDIKA YADAV
Father's Name : Subhash Yadav
Faculty/Department : MBA (E-Commerce)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1751/2800
Division : First
Percent : 62.53%

Roll No. 1812015

Student Name : RAVI KUMAR AGNIHOTRI
Father's Name : Vimlesh Kumar Agnihotri
Faculty/Department : MBA (Agri-Business)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2036/2800
Division : FIRST
Percent : 72.71 %

Roll No. 1817042

Student Name : PRAWAL KAPOOR
Father's Name : Bharat Kapoor
Faculty/Department : MBA (Finance & Control)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 2206/2800
Division : FIRST
Percent : 78.78 %

Roll No. 1823026

Student Name : TRIPTI SRIVASTAVA
Father's Name : Jitendra Kumar Srivastava
Faculty/Department : M.Sc. (Biochemistry)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 898/1200
Division : FIRST
Percent : 74.83 %

Roll No. 1821012

Student Name : ISMAT BAQUAR
Father's Name : Mirza Mohammad Baqur
Faculty/Department : M.Sc. (Biotechnology)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 898/1200
Division : FIRST
Percent : 74.83 %

Roll No. 1825020

Student Name : PRATIBHA PATEL
Father's Name : Uday Raj Patel
Faculty/Department : M.Sc. (CHEMISTRY)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1379/1800
Division : FIRST
Percent : 76.61 %

Roll No.
1826005

Student Name : MOHD TAIYAB
Father's Name : Samiurrahman
Faculty/Department : M.Sc. (Earth & Planetary Science)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1503/1800
Division : FIRST
Percent : 83.50 %

Roll No.
1827002

Student Name : KM SHREYA YADAV
Father's Name : Pancham Ram Yadav
Faculty/Department : M.Sc./M.A. (MATHEMATICS)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1514/2100
Division : FIRST
Percent : 72.09 %

Roll No.
1828020

Student Name : VIVEK KUMAR SRIVASTAVA
Father's Name : Ashok Kumar Srivastava
Faculty/Department : M.Sc. (PHYSICS)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1578/1800
Division : FIRST
Percent : 87.66 %

Roll No.
1832017

Student Name : SHAMA BANO
Father's Name : Sahmat Ali
Faculty/Department : M.A. (Applied Psychology)
College / Institute : Rajju Bhaiya Sansthan VBSPU (Campus)
Marks Obtain : 1551/2000
Division : FIRST
Percent : 77.55 %

Roll No.
1831029

Student Name : SAUMYA TIWARI
Father's Name : Anjani Kumar Tiwari
Faculty/Department : M.A. (Mass Communication)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1368/2000
Division : FIRST
Percent : 68.40 %

Roll No.
1831029

Student Name : SAUMYA TIWARI
Father's Name : Anjani Kumar Tiwari
Faculty/Department : M.A. (Mass Communication)
College / Institute : Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain : 1368/2000
Division : FIRST
Percent : 68.40 %

ATUL MAHESHWARI GOLD MEDAL

Roll No.
19622140127

Student Name : ARTI ANAND
Father's Name : Lal Chand
Faculty/Department : Anc. History, Archaeology & Culture
College / Institute : Sarvajanik Mahavidyalaya Mungara Badshahpur, Jaunpur
Marks Obtain : 793/1100
Division : FIRST
Percent : 72.09 %

Roll No.
19604123737

Student Name : PRASHANT KUMAR CHAURASIYA
Father's Name : Bharat Prasad Chaurasiya
Faculty/Department : Defense and Strategic Studies
College / Institute : Shri Ganesh Rai Snatkottar Mahavidyalaya, Dobhi, Jaunpur
Marks Obtain : 696/1000
Division : FIRST
Percent : 69.60 %

Roll No.
19601120274

Student Name : PRIYANKA UPADHYAY
Father's Name : Brajbhushan
Faculty/Department : Economics
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 724/1000
Division : FIRST
Percent : 72.40 %

Roll No.
19669150562

Student Name : KM NEHA
Father's Name : Ram Lavat
Faculty/Department : Education
College / Institute : Muneshvar Mahavidyalaya Vishwapalpur, Baraipar
Marks Obtain : 717/1000
Division : FIRST
Percent : 71.70 %

Roll No.
19601120347

Student Name : PRIYA SINGH
Father's Name : Adya Prasad Singh
Faculty/Department : Education
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 717/1000
Division : FIRST
Percent : 71.70 %

Roll No.
19612133285

Student Name : SHIMPI MISHRA
Father's Name : Subhash Mishra
Faculty/Department : English
College / Institute : Mariyahu Snatkottar Mahavidyalaya Mariyahu, Jaunpur
Marks Obtain : 689/1000
Division : FIRST
Percent : 68.90 %

Roll No.
19413084770

Student Name : JAGRITI GUPTA
Father's Name : Prem Kumar Gupta
Faculty/Department : Geography
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya Ghazipur
Marks Obtain : 714/1000
Division : FIRST
Percent : 71.40 %

Roll No.
19572178639

Student Name : GAURAV SINGH
Father's Name : Ashok Kumar Singh
Faculty/Department : Hindi
College / Institute : Shri Ram Dhari Chauhan Mahavidyalaya, Khirkiya, Mau
Marks Obtain : 840/1000
Division : FIRST
Percent : 84.00 %

Roll No.
16413275957

Student Name : SUSHIL KUMAR SINGH
Father's Name : Devnath Singh
Faculty/Department : Music (Sitar)
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya Ghazipur
Marks Obtain : 923/1200
Division : FIRST
Percent : 76.90 %

Roll No.
19656146826

Student Name : ANCHAL MISHRA
Father's Name : Ravi Prakash Mishra
Faculty/Department : Home Science (Food Nutrition)
College / Institute : Rahul Mahavidyalaya, Kalawati Sherwa, Jaunpur
Marks Obtain : 960/1200
Division : FIRST
Percent : 80.00 %

Roll No.
19543112154

Student Name : KM DIMPAL KUSHWAHA
Father's Name : Chandra Bali Singh Kushwaha
Faculty/Department : Home Sc. (Human Development)
College / Institute : Atma Prakash Adarsh Mahavidyalaya Arsadpur, Jangipur, Ghazipur
Marks Obtain : 972/1200
Division : FIRST
Percent : 81.00 %

Roll No.
19213039507

Student Name : KRITIKA KUMARI
Father's Name : Ram Kumar
Faculty/Department : Medieval & Modern History
College / Institute : Gaya Prasad Smarak Rajkiya Mahila Mahavidyalaya, Ambari, Azamgarh
Marks Obtain : 699/1000
Division : FIRST
Percent : 69.90 %

Roll No.
19413084907

Student Name : SANJEEV KUMAR
Father's Name : Chandrika Yadav
Faculty/Department : Medieval & Modern History
College / Institute : Snatkottar Mahavidyalaya Ghazipur
Marks Obtain : 699/1000
Division : FIRST
Percent : 69.90 %

Roll No.
19665209145

Student Name : NILOO YADAV
Father's Name : Awadh Raj Yadav
Faculty/Department : Music (Gayan)
College / Institute : Shivangi Mahila Mahavidyalaya Panchahatiya Jaunpur
Marks Obtain : 756/1200
Division : FIRST
Percent : 63.00 %

Roll No.
19201029671

Student Name : KM NAGAMA KHATOON
Father's Name : Mohamada Yusuph
Faculty/Department : Philosophy
College / Institute : Shibli National College Azamgarh
Marks Obtain : 650/1000
Division : FIRST
Percent : 65.00 %

Roll No.
19620138633

Student Name : SHAMBHAVI SINGH
Father's Name : Ranvijay Singh
Faculty/Department : Political Science
College / Institute : Mohammad Hasan Degree College, Jaunpur
Marks Obtain : 749/1000
Division : FIRST
Percent : 74.90 %

Roll No.
19202031753

Student Name : PRANSHU SINGH
Father's Name : Manoj Singh
Faculty/Department : Sanskrit
College / Institute : D A V Snatkottar Mahavidyalaya Azamgarh
Marks Obtain : 803/1000
Division : FIRST
Percent : 80.30 %

Roll No.
19844184363

Student Name : DINESH
Father's Name : Teju
Faculty/Department : Sociology
College / Institute : Kumar Parmarath Baba Govind Mahavidyalaya, Kalyanpur, Mau
Marks Obtain : 707/1000
Division : FIRST
Percent : 70.70 %

Roll No.
19439093371

Student Name : GHAZALA PARVEEN
Father's Name : Shakeel Ahmad
Faculty/Department : Urdu
College / Institute : Gopinath Mahavidyalaya, Devali Salamatpur, Ghazipur
Marks Obtain : 782/1000
Division : FIRST
Percent : 78.20 %

Roll No.
19101021365

Student Name : PRIYANKA PANDEY
Father's Name : Surendra Prasad Pandey
Faculty/Department : Psychology
College / Institute : Handia P.g. College, Handia Prayagraj
Marks Obtain : 739/1000
Division : FIRST
Percent : 73.90 %

Roll No.
19608018205

Student Name : GUNJAN YADAV
Father's Name : H.S. Yadav
Faculty/Department : M.Ed.
College / Institute : Raja Harpal Singh Mahavidyalaya Singramau, Jaunpur
Marks Obtain : 1557/2000
Division : FIRST
Percent : 77.85 %

Roll No.
19403077812

Student Name : SATYA
Father's Name : Mohit Kumar Dubey
Faculty/Department : M.Com.
College / Institute : Swami Sahajanand Snatkottar Mahavidyalaya, Ghazipur
Marks Obtain : 838/1200
Division : FIRST
Percent : 69.83 %

Roll No.
19404078173

Student Name : BHARATI CHAURASIYA
Father's Name : Dilip Chaurasiya
Faculty/Department : M.Com.
College / Institute : Malikpura Degree College Malikpura, Ghazipur
Marks Obtain : 838/1200
Division : FIRST
Percent : 69.83 %

Roll No.
19239046092

Student Name : SONU YADAV
Father's Name : Ramesh Yadav
Faculty/Department : Botany
College / Institute : Shri Sharda Mahavidyalaya Khorrampur, Belaun, Azamgarh
Marks Obtain : 909/1200
Division : FIRST
Percent : 75.75 %

Roll No.
19601121124

Student Name : KAVYA CHANDAN
Father's Name : Siyaram Yadav
Faculty/Department : Chemistry
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 902/1200
Division : FIRST
Percent : 75.16 %

Roll No.
19607209819

Student Name : KM POOJA GUPTA
Father's Name : Sahab Lal Gupta
Faculty/Department : Industrial Chemistry
College / Institute : Kutir Snatkottar Mahavidyalaya Chakke, Jaunpur
Marks Obtain : 873/1200
Division : FIRST
Percent : 72.75 %

Roll No.
19601120892

Student Name : KM RASHMI
Father's Name : Rajesh Kumar
Faculty/Department : Mathematics
College / Institute : Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain : 931/1200
Division : FIRST
Percent : 77.58 %

Roll No.
19428090403

Student Name : ABHINAV SINGH
Father's Name : Ramashankar Singh
Faculty/Department : Physics
College / Institute : Dr. R.M.L. Mahavidyalaya, Jhotari Dhamupur, Ghazipur
Marks Obtain : 912/1200
Division : FIRST
Percent : 76.00 %

Roll No.
19101021498

Student Name : MUKESH KUMAR YADAV
Father's Name : Sooryabali Yadav
Faculty/Department : Physics
College / Institute : Handia P.g. College, Handia Prayagraj
Marks Obtain : 912/1200
Division : FIRST
Percent : 76.00 %

Roll No.
19613134051

Student Name : POONAM YADAV
Father's Name : Virendra Kumar Yadav
Faculty/Department : Zoology
College / Institute : Rashtriya Snatkottar Mahavidyalaya Jamuhai, Jaunpur
Marks Obtain : 941/1200
Division : FIRST
Percent : 78.41 %

Roll No. 16601417580

Student Name	: NAVEEN KUMAR
Father's Name	: Jay Prakash
Faculty/Department	: Animal Husbandry And Dairying
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 608/800
Division	: FIRST
Percent	: 76.00 %

Roll No. 19601120958

Student Name	: PRIYA SINGH
Father's Name	: Jay Prakash Singh
Faculty/Department	: Agricultural Economics
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 781/1000
Division	: FIRST
Percent	: 78.10 %

Roll No. 19601121024

Student Name	: SHARDA SUMAN
Father's Name	: Pramod Kumar
Faculty/Department	: Genetics And Plant Breeding
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 653/800
Division	: FIRST
Percent	: 81.62 %

Roll No. 19601121037

Student Name	: NIKITA KUMARI
Father's Name	: Satish Kumar Rakesh
Faculty/Department	: Horticulture
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 824/1000
Division	: FIRST
Percent	: 82.40 %

Roll No. 19601121071

Student Name	: SHUBHAM PATEL
Father's Name	: Dharmendra Kumar Singh
Faculty/Department	: Plant Pathology
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 647/800
Division	: FIRST
Percent	: 80.87 %

Roll No. 19601120997

Student Name	: DEEPA KUSHWAHA
Father's Name	: Anil Kumar Maurya
Faculty/Department	: Agronomy
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 616/800
Division	: FIRST
Percent	: 77.00 %

Roll No. 19601121090

Student Name	: MANISH KUMAR
Father's Name	: Kailash Prasad
Faculty/Department	: Agricultural Chemistry & Soil Sc.
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 611/800
Division	: FIRST
Percent	: 76.37 %

Roll No. 19601120977

Student Name	: AKANKSHA DEVI
Father's Name	: Dinesh Dubey
Faculty/Department	: Entomology
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 617/800
Division	: FIRST
Percent	: 77.12 %

Roll No. 16601419019

Student Name	: [illegible] KUMAR YADAV
Father's Name	: [illegible] Yadav
Faculty/Department	: [illegible] Extension
College / Institute	: [illegible] Snatkottar [illegible]yalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 567/800
Division	: FIRST
Percent	: 82.12 %

Roll No. 19601209878

Student Name	: NISHA BANO
Father's Name	: Mumtaz Ahamad
Faculty/Department	: LL.M.
College / Institute	: Tilakdhari Snatkottar Mahavidyalaya, Jaunpur
Marks Obtain	: 685/1100
Division	: FIRST
Percent	: 62.27 %

अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

AMAR UJALA FOUNDATION

अतुल माहेश्वरी
नवोन्मेषक 'अमर उजाला समूह'
जन्म : 3 मई, 1956
निधन : 3 जनवरी, 2011

अमर उजाला समूह के नवोन्मेषक पत्रकार अतुल माहेश्वरी जी ने अपने जीवन काल में सिर्फ पत्रकारिता ही की। 37 वर्षों की पत्रकारिता में उन्होंने अमर उजाला समूह को नई ऊंचाइयाँ प्रदान की। 3 मई 1956 को दिल्ली में जन्मे अतुल माहेश्वरी की प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा मथुरा में हुई। बरेली में रहते हुए उन्होंने राजनीति विज्ञान से एम0ए0 की डिग्री हासिल की। अमर उजाला के संस्थापक रहे अपने पिता मुरारी लाल माहेश्वरी के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के क्षेत्र में उन्होंने कदम रखा और कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। अतुल जी के नेतृत्व में अमर उजाला का उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमांचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर संस्करण शुरू हुए। डेली टैब्लॉयड अमर उजाला कॉम्पैक्ट का प्रकाशन शुरू करके उन्होंने नया पाठक वर्ग तैयार किया। इसके साथ ही कई प्रतियोगी पत्रिकाओं का भी प्रकाशन शुरू कराया। अमर उजाला फाउंडेशन के जरिए उन्होंने अखबार को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा। पत्रकारिता के प्रति समर्पित होने की वजह से उन्होंने अमर उजाला समूह को केवल अखबारी दुनिया तक ही सीमित रखा। सौम्य स्वभाव और मृदुभाषी होने की वजह से श्री अतुल माहेश्वरी जी मीडिया जगत में बेहद लोकप्रिय रहे। मीडिया को नई दिशा देने वाले इस पुरोधा का 3 जनवरी 2011 को महाप्रयाण हुआ।

सौम्या तिवारी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

Roll No. 1831029

Student Name	: SAUMYA TIWARI
Father's Name	: Anjani Kumar Tiwari
Faculty/Department	: M.A. (Mass Communication)
College / Institute	: Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Campus)
Marks Obtain	: 1368/2000
Division	: FIRST
Percent	: 68.40 %

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को वर्ष 2019 से दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। अमर उजाला समूह के साथ इसके लिए सहमति हुई है। वर्ष 2019 में यह पदक आशुतोष त्रिपाठी को प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने 23वें दीक्षांत समारोह में दिया था। वर्ष 2020 में एम०ए० जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर सौम्या तिवारी को 24वें दीक्षांत समारोह में अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक मिलेगा।

amarujala.com
युवा Youth दिल्ली
नई दिल्ली | शनिवार, 30 जनवरी 2021

पूर्वांचल विवि की सौम्या को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

पत्रकारिता में सर्वोच्च अंक पाने पर हुआ चयन, दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार की छात्रा सौम्या तिवारी को वर्ष 2020 के लिए अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। पत्रकारिता में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर उन्हें यह पदक दिया जा रहा है। अमर उजाला समूह के नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी की स्मृति में पूर्वांवि. ने वर्ष 2019 में स्वर्ण पदक देने की शुरुआत की थी। पहला पदक आशुतोष त्रिपाठी को मिला था। इस बार सौम्या का चयन हुआ है।

सौम्या तिवारी।

आगामी 16 फरवरी को विवि के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल उन्हें यह पदक प्रदान करेंगी।

मूल रूप से बलिया के नगरा निवासी सौम्या का परिवार शहर के न्यू भगवती कॉलोनी में रहता है। उनके पिता अंजनी तिवारी पूर्वांचल विवि में ही लिपिक हैं, जबकि मां भारती तिवारी गृहिणी हैं। टीडी इंटर कॉलेज से कॉमर्स में इंटर और टीडी कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई के दौरान टीवी एंकर रुबिका लियाकत से प्रेरित होकर सौम्या का रुझान पत्रकारिता की ओर बढ़ा। स्नातक के बाद उन्होंने वर्ष 2018 में पूर्वांवि. के पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिग्री के लिए दाखिला लिया। सत्र 2018-20 में उन्हें पत्रकारिता में सर्वाधिक 68.40 प्रतिशत अंक मिले हैं। इस आधार पर उनका चयन स्वर्ण पदक के लिए हुआ है।

सौम्या बताती हैं कि उन्हें शुरू से ही बोलने का शौक रहा है। नई चीजें जानने और उसके बारे में सवाल कर आदत ने उन्हें पत्रकारिता क्षेत्र वह इस पदक का श्रेय आ और विवि के शिक्षकों क कि यह पदक मेरे अ जिन्हें मुझ पर हमेश उनका लक्ष्य पत्रका है। इसकी तैयारी में

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या

क्रमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्तपोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1	आजमगढ़	02	10	238	250
2	गाजीपुर	03	08	322	333
3	मऊ	02	04	153	159
4	जौनपुर	02	14	179	195
5	इलाहाबाद (हंडिया)	--	01	--	01
	कुल	09	37	892	938

परीक्षा सत्र : 2019–20 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

कुल परीक्षार्थी	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें	कुल परीक्षार्थी उत्तीर्ण	छात्र उत्तीर्ण	छात्रायें उत्तीर्ण
स्नातक परीक्षार्थी	138307	54074	84233	128074	48856	79218
परास्नातक परीक्षार्थी	31095	10102	20993	28478	9109	19369
कुल परीक्षार्थी	169402	64176	105226	156552	57965	98587

स्वर्ण पदक धारक

स्वर्ण पदक	संख्या		
	छात्रायें	छात्र	कुल
स्नातक	8	7	15
परास्नातक	38	20	58
कुल योग	46	27	73

संकायवार शोध उपाधि धारक

क्रमांक	संकाय	शोधार्थियों की संख्या
1	कला संकाय	39
2	विज्ञान संकाय	15
3	शिक्षा संकाय	10
4	कृषि संकाय	01
5	विधि संकाय	02
योग		67

विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

दिसम्बर 2019

1. 03 दिसंबर 2019 को महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह में स्नातक के 16 और परास्नातक के 49 मेधावियों को माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के हाथों स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि इस्कॉन मंदिर, श्रील प्रभुपाद आश्रम, जम्मू–कश्मीर के परम पूज्य श्री नव योगेन्द्र स्वामी जी महाराज जी रहे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा ऐसी हो जो हमें आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ राष्ट्रीय भावना भी पैदा करें। देश, समाज के प्रति चुनौतियों का सामना युवाओं को ही करना होगा तभी हम नव भारत की तस्वीर बनाने में सक्षम होंगे। दीक्षांत समारोह में पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के 25 छात्र एवं 25 छात्राएं शामिल हुईं।
2. विश्वविद्यालय के प्रबन्ध संकाय की छात्रा निधि सोनकर को अखिल भारतीय वाणिज्य संघ के 72वें अधिवेशन में प्रतिष्ठित प्रो0 समीउद्दीन रिसर्च मेमोरियल स्वर्ण पदक अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें उनके शोध पत्र **''रोल आफ बिजनेस इनक्यूबेटर इन फैसिलिटेटिंग इंटर पर्सनल स्किल फार द डेवलपमेंट आफ स्टार्टअप इंडिया प्रोग्राम''** नामक शोध पत्र के लिए दिया गया।
2. विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो0 वंदना राय को इंदौर में आयोजित इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स (रिसेंट एडवांसेज इन लाइफ साइंसेज फार बेटरमेन्ट आफ एनवायर्नमेंट एंड ह्यूमन हेल्थ 2019) में बेस्ट साइंटिस्ट के अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज व सोसाइटी फार लाइफ साइंसेज द्वारा 14–15 दिसम्बर को इंदौर में आयोजित इंटरनेशनल कान्फ्रेंस में दिया गया।
3. 15 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में राष्ट्रीय सेवा भारती जौनपुर, काशी प्रांत एवं अकिंचन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आरोग्य रक्षक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला हुई जिसमें जौनपुर के विभिन्न खण्डों की सेवा बस्तियों से आए चिकित्सकों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित खेलों का विवरण –

1. **अन्तर महाविद्यालयीय भारोत्तोलन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 5 एवं 6 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 15 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।
2. **अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 7 से 10 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 60 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
3. **अन्तर महाविद्यालयीय योग पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 12 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 5 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
4. **अन्तर महाविद्यालयीय किक बाक्सिंग पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 14 एवं 15 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 10 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
5. **अन्तर महाविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 18 एवं 19 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें 6 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
6. **अन्तर महाविद्यालयीय हैण्डबाल पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 20 एवं 21 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें 8 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
7. **अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 17 एवं 22 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें 20 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
8. **अन्तर महाविद्यालयीय कबड्डी महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 22 एवं 23 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें 8 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
9. **अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 23 एवं 24 दिसम्बर 2019 को सम्पन्न हुई, जिसमें 4 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

उपलब्धियाँ

1. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 15 से 19 दिसम्बर 2019 तक चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ी अजीत सिंह ने 120 कि0ग्रा0 भार वर्ग में रजत पदक प्राप्त किया।
2. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय तीरंदाजी पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 26 से 30 दिसम्बर 2019 तक किट्ट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के पुरुष खिलाड़ियों द्वारा 4 रजत एवं 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक प्राप्त किया गया।
3. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 28 से 30 दिसम्बर 2019 तक एम0 एस0 विश्वविद्यालय, तिरूनेवेल्ली, तमिलनाडु में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की खिलाड़ी गौरी पाण्डेय ने 55 कि0ग्रा0 भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा प्रतियोगिता की बेस्ट महिला लिफ्टर का खिताब प्राप्त किया।

4. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग महिला प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता 28 से 30 दिसम्बर 2019 तक आन्ध्र विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों ने पांच स्वर्ण पदक प्राप्त किये।

5. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्वान की डो पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता 28 से 30 दिसम्बर 2019 तक चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक प्राप्त किया।

जनवरी 2020

1. 03 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में **"पत्रकारिता के क्षेत्र में बदलते आयाम"** तथा 04 जनवरी को **"पत्रकारिता का नया दौर : वेब पत्रकारिता"** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
2. 04 जनवरी को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव देवकली में बीमारी से पीड़ित बच्चों को फल, गर्म कपड़े एवं सूखा मेवा आदि का वितरण तथा बच्चों को पढ़ाई के लिये प्रेरित किया गया।
3. 11 जनवरी को व्यावसायिक अर्थशास्त्र एवं जनसंचार विभाग द्वारा संयुक्त रूप से **आर्थिक पत्रकारिता का महत्व** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. 10 एवं 11 जनवरी को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह भौतिकी विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग की नवप्रवृत्तियों पर विद्वानों ने गंभीर चर्चा की। [illegible] सम्मेलन पी.ई.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मांड्या, कर्नाटक, [illegible] ई.आर.पी., चेन्नई एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भारत संचार निगम लिमिटेड के पूर्व सीएमडी श्री आर0के0 उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति, प्रोफेसर पीयूष रंजन अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि पी.ई.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मांड्या, कर्नाटका के प्रो0 राधा कृष्णन राव, एस.पी.ए. एस.पी.आई.यू., लखनऊ के प्रो0 अनिल कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये।

सम्मेलन में प्लेनरी टॉक में कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रो0 एल0एन0 हाजरा ने बाइनरी ऑप्टिक्स पर अपना व्याख्यान दिया। भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलोर के प्रो0 टी0 श्रीनिवास ने **मल्टीप्लेक्सिंग तकनीकी एवं ऑप्टिकल संचार** पर अपना व्याख्यान दिया। आई.आई.आई.टी. के प्रो0 मनीष कुमार ने मोबाइल संचार, प्रो0 नितेश पुरोहित ने [illegible] **संचार**, मलनाड इंजिनीयरिंग कॉलेज, कर्नाटक के प्रो0 [illegible] श्रीकांत ने **फोटोनिक्स सेंसर**, भारतीय विज्ञान संस्थान, [illegible] के प्रो0 गोपाल कृष्ण हेगड़े ने **ऑप्टिकल इमेजिंग तकनीक** [illegible] प्रो0 अजय शंकर के विशेष व्याख्यान हुए।

5. विश्वविद्यालय के प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय वि[illegible] अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान के शिक्षक [illegible] नितेश जायसवाल को **इंटरनेशनल एकेडमी आफ फिजि[illegible] साइंसेज** के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया ग[illegible] यह पुरस्कार 29 से 31 दिसम्बर तक गुरू जम्भेश्वर विज्ञान [illegible] प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा एवं इंटरनेश[illegible] एकेडमी आफ फिजिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान [illegible] फिजिकल एंड बायोलाजिकल साइंसेज एट क्रास रोड्स : [illegible] डिस्प्लीनरी एक्सप्लोरेशन एंड एक्साइटिंग चैलेंजेज विषय[illegible] आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके शोध प्रस्तुति के [illegible] दिया गया।
6. 11 जनवरी को विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान वि[illegible] में मनोविज्ञान विषय में **कैरियर के अवसर : भविष्[illegible] चुनौतियां एवं समाधान** विषयक व्याख्यान का आयोजन कि[illegible] गया।
7. 12 जनवरी को विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना [illegible] तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्[illegible] **युवा दिवस** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी [illegible] के व्यक्तित्व एवं विचारों पर प्रकाश डाला गया।
8. 17 जनवरी को विश्वविद्यालय के एनएसएस भवन मेंकार्य[illegible] अधिकारियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कि[illegible] गया।
9. 18 जनवरी को विश्वविद्यालय के महंथ अवैद्यनाथ संगोष्ठी भव[illegible] आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा **"नैक मूल्यांकन [illegible] आवश्यकता एवं उपयोगिता"** विषयक कार्यशाला [illegible] आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय से सम्[illegible] समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों को नैक के विविध आयाम[illegible] परिचित कराया गया।
10. 24 जनवरी को विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में मतदा[illegible] **शपथ समारोह** का आयोजन किया गया।
11. 26 जनवरी को विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मना[illegible] गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों ने परि[illegible] स्थित महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन कि[illegible] तथा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया।
12. 27 जनवरी को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी हा[illegible] **इंस्पायर साइंस कैंप 2020** और **विज्ञान, प्रौद्योगिकी** [illegible] **भारत के भविष्य के लिए नवाचार** विषयक संगोष्ठी [illegible] आयोजन किया गया।

खेल गतिविधियाँ

1. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 03 से 07 जनवरी 2020 तक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **द्वितीय** स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

2. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 03 से 07 जनवरी 2020 तक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **प्रथम** स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

3. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 24 दिसम्बर से 14 जनवरी 2020 तक रेवेन्सा विश्वविद्यालय, कटक में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **द्वितीय** स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

4. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 05 से 14 जनवरी 2020 तक अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **प्रथम** स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

5. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय एथेलेटिक पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 02 से 06 जनवरी 2020 तक राजीव गांधी विश्वविद्यालय, कर्नाटक में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की खिलाड़ी प्रीती यादव ने 400 मी0 हर्डल रेस में **स्वर्ण पदक** एवं अमरिका यादव ने हाफ मैराथन रेस में **स्वर्ण पदक** प्राप्त किया।

6. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय बास्केटबाल पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 04 से 07 जनवरी 2020 तक स्वामी रामतीर्थ विश्वविद्यालय, नान्देड़ में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **कांस्य पदक** प्राप्त किया।

7. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल पुरुष प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 23 से 27 जनवरी 2020 तक महात्मा गा़ंधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **रजत पदक** प्राप्त किया।

8. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय शक्ति तोलन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता 20 से 30 जनवरी 2020 तक मुम्बई विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ी विशान्त वैद्य ने 59 कि0 ग्रा0 भार वर्ग में **रजत पदक** एवं मोहित तोमर ने 120 कि0 ग्रा0 भार वर्ग में **कांस्य पदक** प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।

फरवरी 2020

1. 01 फरवरी को विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक तथा 24 फरवरी को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

2. 04 फरवरी को विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

3. 07 से 09 फरवरी तक विश्वविद्यालय में **यात्रा लेखन एवं फोटोग्राफी** विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। यह कार्यशाला केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल तथा जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। बतौर मुख्य अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका, ब्लॉगर एवं फोटोग्राफर डॉ0 कायनात काज़ी ने यात्राओं के अनुभवों को साझा करते हुए यात्रा लेखन और फोटोग्राफी के लिए विद्यार्थियों को टिप्स दिए। यात्रा लेखन और फोटोग्राफी विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन प्रख्यात यात्रा लेखिका और फोटोग्राफर डॉ0 कायनात काज़ी ने प्रतिभागियों को यात्रा लेखन के तकनीकों से परिचित कराया। इस कार्यशाला में जनसंचार विभाग के विद्यार्थी शाकंभरी नंदन द्वारा चित्र संचय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन डॉ कायनात काजी एवं प्लेसमेंट सेल की निदेशक, प्रोफेसर रंजना प्रकाश द्वारा किया गया। कार्यशाला का समापन जौनपुर शहर के शाही किला में हुआ। डॉ0 काजी ने नए नज़रिए से शाही किले के विभिन्न भागों को कैद कर पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फोटोग्राफी कला से परिचित कराया।

4. 08 फरवरी को विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग द्वारा औद्योगिक व अकादमिक इंटरफेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अकादमिक संस्थान एवं उद्योग जगत के बीच आदान–प्रदान करने, व्यवसाय को बेहतर तरीके से चलाने उद्योग जगत के अनुरूप प्रबंधन शिक्षा से सम्बन्धित था।

5. **11 एवं 12 फरवरी, 2020 को केन्द्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में जॉब फेयर का आयोजन किया गया जिसमें देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। जॉब फेयर में विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों के 6000 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। कुल 1452 छात्र एवं छात्राओं को रोजगार प्राप्त हुआ। साथ ही 22 फरवरी को प्रिज्म सीमेंट सलूसन ने प्रतिभाग**

किया जिसमें 6 लाख के पैकेज पर छात्र प्रतीक कुमार श्रीवास्तव का चयन हुआ।

6. 15 से 17 फरवरी तक विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में 27वें प्रादेशिक रोवर्स रेंजर्स समागम का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय समागम में रोवर्स और रेंजर्स **दोनों में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय सर्व विजेता रहा तथा उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।** इस समागम में विभिन्न विश्वविद्यालयों से 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

7. 20 फरवरी को विश्वविद्यालय परिसर में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के निर्देश के क्रम में **अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस** मनाया गया। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर मातृभाषा में लिखी गई पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों ने इन पुस्तकों को पढ़ा। फार्मेसी संस्थान में विविधता में एकता विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया परिचर्चा में प्रतिभागियों ने मातृभाषा की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। प्रबंध अध्ययन संकाय में मातृभाषा पर आधारित वृत्तचित्र **इन डेप्थ** का प्रदर्शन किया गया।

8. 24 फरवरी को विश्वविद्यालय के रज्जू भैया फिजिकल स्टडी एवं रिसर्च सेंटर के आर्यभट्ट सभागार में **युवाओं के विकास में नई शिक्षा नीति का योगदान** विषय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के काशी प्रांत द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रमुख माननीय श्रीहरि बोरिकर जी ने **भारत की नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से अपनी बात रखी।**

9. 25 फरवरी से विश्वविद्यालय की सत्र 2019–20 की वार्षिक परीक्षायें प्रारम्भ हुईं। नकल विहीन परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों पर सी0सी0 टी0वी0 तथा वाइस रिकार्डर लगाये गये तथा प्रत्येक जनपद के लिए चार–चार उड़ाका दल की टीम तथा एक महिला उड़ाका दल की टीम का गठन किया गया।

10. 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में **भारतीय शिक्षा पद्धति : आयाम और चुनौतियाँ** विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

11. 28 फरवरी को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विज्ञान दिवस के अवसर पर "विज्ञान में महिलायें" थीम पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पदार्थ के रहस्य नामक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गयी।

खेल गतिविधियाँ

उपलब्धियाँ

1. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता 11 से 15 फरवरी 2020 तक आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आन्ध्रप्रदेश में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **स्वर्ण पदक** प्राप्त किया।

2. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग पुरुष प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता 14 से 18 फरवरी 2020 तक विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने **स्वर्ण पदक, 6 रजत एवं 8 कांस्य पदक** सहित कुल 26 पदक प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

3. **खेलो इण्डिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिता 2020 पुरुष एवं महिला**

यह प्रतियोगिता 21 फरवरी से 01 मार्च 2020 तक किट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में सम्पन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता कुल 159 विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने **3 स्वर्ण पदक, 1 रजत पदक एवं 3 कांस्य पदक** प्राप्त करते हुए उत्तर प्रदेश मे **प्रथम**, पूर्वी क्षेत्र में भी **प्रथम** तथा भारत में **इक्कीसवां** स्थान प्राप्त किया।

मार्च एवं अप्रैल 2020

1. विश्वविद्यालय परिसर के एकलव्य स्टेडियम में प्रदेश के मुख्यमंत्री मा0 श्री योगी आदित्यनाथ जी का कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने स्वागत किया।

2. विश्वविद्यालय में कोरोना वायरस के संदर्भ में सावधानी एवं बचाव को लेकर एक आपात बैठक आहूत की गई। बैठक में कोरोना वायरस के दृष्टिगत केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग एवं राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी का स्पष्ट रूप से पालन करने का निर्देश दिया गया। सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिसर की साफ–सफाई एवं सैनिटाइज करने की प्रक्रिया शुरू करायी गयी।

3. विश्वविद्यालय के रसायन विभाग एवं फार्मेसी संस्थान के शिक्षकों द्वारा WHO के मानक अनुसार इथनॉल तथा आइसोप्रोपिल युक्त सेनेटाइजर बनाया गया। इथनॉल तथा आइसोप्रोपिल युक्त यह सेनेटाइजर कोरोना से लड़ने में सहायक होंगे। विभाग द्वारा निर्मित सैनिटाइजर को विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रशासनिक अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के बीच प्रदर्शित तथा वितरित किया गया।

4. 04 अप्रैल को विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कोरोना वायरस का समाज के विविध पक्षों पर प्रभाव विषयक

परिचर्चा का आयोजन किया गया। ज़ूम अनुप्रयोग द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने ऑनलाइन अपने विचार व्यक्त किये।

5. 06 अप्रैल को विज्ञान संकाय द्वारा एक नई पहल वस्त्र वितरण का कार्यक्रम मुन्नर इंटर कॉलेज, सराय ख्वाजा, जौनपुर में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा मिशन 50 के तहत गोद लिए गए गांव में गरीब एवं असहाय लोगों में वस्त्र वितरित किया गया गया।

6. 14 अप्रैल को विश्वविद्यालय में बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर विस्तार से चर्चा की गयी।

7. विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के काउंसलिंग सेंटर के द्वारा लॉक डाउन की अवधि में लोगों की काउंसलिंग की। विभाग द्वारा इसके लिये मोबाइल नंबर जारी किया गया। इस नंबर पर सुबह 11:00 से 12:00 बजे तक मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान निःशुल्क किया गया। इस परामर्श सेवा का नाम **''कोरोना से जंग हमारे संग''** रखा गया है।

8. व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा 25 अप्रैल को सोशल मीडिया पर कोविड–19 संबंधी फेक न्यूज़, नई चुनौतियां एवं मानसिक स्वास्थ्य विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कोविड–19 के संबंध में फेक न्यूज़, सोशल मीडिया की भूमिका और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की।

बतौर मुख्य वक्ता महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के प्रो0 संजीव देशपांडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि कोविड–19 से जुड़ी सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़ ने लोगों के मन में भय और तनाव पैदा किया है। फेक न्यूज़ भावनात्मक असंतुलन का बड़ा कारण है। ऑनलाइन संगोष्ठी में देश के 09 विश्वविद्यालय, 20 महाविद्यालय एवं अन्य संस्थानों से प्रतिभागी जुड़े।

9. विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय ने लाक डाऊन में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अध्ययन में बाधा उत्पन्न ना हो इसके लिए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन की किताबें ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा उपलब्ध कराई। अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों ने छात्र हित में ई–बुक्स की रिमोट एक्सेस की सुविधा उपलब्ध कराई। अभी तक इन किताबों को विश्वविद्यालय परिसर के नेटवर्क से ही पढ़ा जा सकता था, अब पासवर्ड के माध्यम से घर बैठे कोई भी किताबों को पढ़ सकता है। इंजीनियरिंग, फार्मेसी, प्रबंध, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान आदि विषयों की किताबों का शिक्षक और विद्यार्थी लाभ ले सकते हैं। इसके लिए पासवर्ड जारी किए गए हैं। स्प्रिंगर, एल्सवियर, एमराल्ड, कैंब्रिज, टेलर एंड फ्रांसिस, सेज आदि प्रकाशक की किताबें उपलब्ध है। इसके साथ ही ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं को भी एक्सेस करने की सुविधा प्रदान की गई।

10. 23 अप्रैल को विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों से पुस्तक की महत्ता और लेखन में नैतिकता पर ऑनलाइन चर्चा की गयी। विद्यार्थियों से अपील की गयी कि अपने विषय का संपूर्ण ज्ञान अर्जित करने के लिए किताबों को पढ़ें और आगे बढ़े। कॉपीराइट पर भी प्रकाश डालते हुए बताया गया कि लेखकों द्वारा जो सृजन किया जाता है उस पर उनका अधिकार होता है।

कोरोना महामारी के संकट काल में जहाँ कोविड–19 के प्रसार को नियंत्रित करने के सरकार के प्रयासों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की कक्षाएं व अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ स्थगित रहीं वहीं इस विषम परिस्थिति में छात्रों के पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने हेतु विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएं चलायी गयीं। साथ ही साथ छात्र / छात्राओं में अनुसंधान के दृष्टिकोण के संवर्धन के लिए सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनर्जी, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा "लेक्चर सीरीज ऑन रीसेंट एडवान्सेस इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी" का आयोजन भी ज़ूम एवं वेबेक्स मीटिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। ज्ञातव्य हो कि इस लेक्चर सीरीज के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के साथ–साथ देश–विदेश के शैक्षणिक व शोध संस्थानों के प्रोफेसर व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के छात्रों से आधुनिक विज्ञान व तकनीकी पर हो रहे शोध कार्यों को साझा किये।

पहला वेबिनार प्रो० देवराज सिंह, निदेशक, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जु भैया) संस्थान के द्वारा **"पर्सपेक्टिव्स एंड प्रोस्पेक्टिव्स ऑफ़ अल्ट्रासोनिक्स"** शीर्षक पर दिया गया जिसके अन्तर्गत उन्होंने अल्ट्रासोनिक वेव के मौलिक सिद्धांतों को बताया साथ ही साथ अल्ट्रासोनिक वेब के आधुनिक विज्ञान में हो रहे अनुप्रयोगों को भी साझा किया।

वेबिनार–2 में डॉ0 [illegible] (सी०एम०पी०, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने [illegible] व गाड़ियों से उत्पन्न हो [illegible] अपशिष्ट ऊर्जा का अनुप्रयोग कर विद्युत उत्पादन करने की तकनीकी के मौलिक सिद्धांतों व कार्य करने के तंत्र को समझाया।

अगले वेबिनार में संस्थान के पृथ्वी और ग्रह विज्ञान विभाग के डॉ० नीरज अवस्थी ने व्याख्यान दिया जिसमें डॉ० अवस्थी ने सरस्वती नदी के विलुप्त होने के विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों को अन्य भौगोलिक गतिविधियों से जोड़ते हुये स्पष्ट किया।

वेबिनार–4 में डॉ0 प्रेम प्रकाश सिंह (इ०सी०सी०, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने **लैब ऑन चिप** व्याख्यान के माध्यम से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु में किये गए अपने शोध को छात्रों से साझा किया जिसके अन्तर्गत उन्होंने बताया कि कैसे शरीर की बीमारियों को एक चिप के माध्यम से पहचाना जा सकता है।

वेबिनार–5, रज्जु भईया संस्थान के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 आदित्य मणि मिश्रा द्वारा **"ओर्थोगोनालिटी इन इनफिनिट डिमेन्शनल स्पेसेस एंड थेयर युसेस इन साइंस"** टॉपिक पर दिया गया। इस

व्याख्यान ने हमारे प्रतिभागियों को एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान किया कि कैसे गणितज्ञ, अत्याधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे हैं।

वेबिनार–6 कोरिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान में कार्यरत डॉ० प्रदीप साम्याल द्वारा दिया गया जिसमे उन्होंने बताया की कैसे एडवांस पॉलीमर मैटेरियल्स का प्रयोग करके लौह पदार्थों का जीवन काल बढ़ाया जा सकता है।

अगले वेबिनार में संस्थान के सेंटर फॉर रिन्यूएबल एनेर्जी के वैज्ञानिक / सहायक आचार्य डॉ. धीरेन्द्र चौधरी ने आर्गेनिक सोलर सेल्स के मूलभूत कार्यविधि के बारे में बताया।

वेबिनार–8 डॉ० पंकज यादव, सहायक आचार्य, सौर ऊर्जा विभाग, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात द्वारा दिया गया। डॉ0 यादव ने पेरोव्सकीते मटेरियल और उसके सोलर सेल में अनुप्रयोग के बारे में किये गए अपने रिसर्च को साझा किया।

वेबिनार–9 में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के विशुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० शिव पूजन पटेल ने विभिन्न प्रकार के एक्सेलेरेटर और मटेरियल साइंस में हो रहे उनके अनुप्रयोगों के मूलभूत कार्य सिद्धांत पर व्याख्यान दिया।

अगले वेबिनार में श्री वैष्णव विद्यापीठ, इंदौर के भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान के सहायक आचार्य डॉ० मानवेन्द्र कुमार द्वारा व्याख्यान दिया गया। डॉ० मानवेन्द्र कुमार ने मटेरियल सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेसन और संशोधन के लिए आयन बीम को बहुत ही स्पष्ट तरीके से समझाया।

यह लेक्चर सीरीज पूर्णतः निःशुल्क रही, इसमें 95 छात्र / छात्राओं ने पंजीकरण कराया। इसमें से लगभग 50 छात्र देश के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों (IIT, IISER, IISc.) इत्यादि से तथा 5 विदेशी छात्र भी प्रतिभागी है। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के द्वारा निःशुल्क ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 13 वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में सीएसआईआर, राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना स्रोत संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ० मेहरवान ने भी छात्रों को फोटोनिक सेंसर्स के उपयोगिता और कार्यविधि के बारे में बताया। डॉ0 मेहरवान ने कहा कि फोटोनिक सेंसर्स का उपयोग कर हम गांव और रिमोट एरिया में कम लागत पर बीमारियों की पहचान और जांच कर सकते हैं। यह अन्य डाइग्नोसिस में भी उपयोगी साबित हो सकती है।

ताइवान के वैज्ञानिक डॉ0 अनिमा घोष ने चालकोजेन मैटेरियल्स का सोलर में उपयोगिता के बारे में बताया। डॉ0 घोष ने कहा कि चालकोजेन मैटेरियल्स नॉन टॉक्सिक मैटेरियल होते है जो की उच्च गुणवत्ता के सोलर सेल बनाने में प्रयोग किये जा सकते है।

1. राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में कोविड–19 पर 29 अप्रैल को आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने 200 अधिक कार्यक्रम अधिकारियों, नोडल अधिकारी एवं स्वयंसे को संबोधित करते हुए विपत्ति की इस घड़ी में यशस्वी प्रधान श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ साहसिक नेतृत्व की सराहना की।

2. विश्वविद्यालय के कुलपति, अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारि के 01 दिन का वेतन 9 लाख 75 हजार रुपये उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में जमा किया गया। इसके अतिरि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव द्वारा कोरो वायरस से बचाव के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में रूपये दो ल प्रेषित किये गये।

विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ द्वारा रूपये लाख से अधिक की धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजी गई इस प्रकार इस विश्वविद्यालय द्वारा कुल रूपये 62 लाख से अधि की धनराशि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजी गई है।

खेल गतिविधियाँ

1. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय ताइक्वाण्डो पुरु एवं महिला प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता 13 से 16 मार्च 2020 तक पंजाबी विश्वविद्याल पटियाला में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय टीम के सद शुभम शर्मा ने **कांस्य पदक** प्राप्त किया।

मई 2020

1. 01 मई को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शिक्षक डॉ नृपेन्द्र सिंह ने रंगसीट विश्वविद्यालय, आयरलैंड द्वारा आयोजि एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में **ओरल रिलीज सिस्ट फॉर अस्थमा ट्रीटमेंट** विषयक ऑनलाइन शोध पत्र प्रस्तु किया। इसके लिए उन्हें सम्मान और प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ। इ अन्तर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन में विश्व के विभिन्न देशों के शोधार्थ एवं वैज्ञानिकों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये थे।

2. 3 मई को प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया भौतिकी विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा निशुल्क ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला समापन सत्र में राष्ट्रीय विज्ञान संचार और सूचना स्रोत संस्थान नई दिल्ली के वैज्ञानिक डॉ० मेहरवान ने छात्रों को फोटोनि सेंसर्स के उपयोगिता और कार्यविधि के बारे में बताया।

3. 14 मई को देश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने जनमानस को कोरोना के प्रकोप से सुरक्षित रखने के लिए सेंट फॉर रिन्यूएबल एनर्जी, प्रो० राजेन्द्र सिंह संस्थान के वैज्ञानिक सहायक आचार्य डॉ. धीरेन्द्र कुमार चौधरी द्वारा एक उपकर अल्ट्रावायलेट सरफेस डिसइंफेक्टेंट बनाया। इस उपकरण वस्तुओं पर मौजूद कोरोना वायरस को 10 मिनट में खत्म कि जा सकेगा। इस उपकरण का अनावरण कुलपति प्रो० (डॉ०)

राजाराम यादव ने रज्जू भइया संस्थान में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए किया।

4. 16 मई को महान भौतिक विज्ञानी पद्म भूषण प्रो0 एस0के0 जोशी के निधन पर विश्वविद्यालय में शोक सभा का आयोजन हुआ।

5. 17 मई को जनसंचार विभाग एवं पी.आर. नीति के संयुक्त तत्वावधान में कोविड–19 के दौर में मीडिया की भूमिका के विविध आयामों पर चर्चा के लिए ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को देश के विभिन्न भागों से 1500 से अधिक लोग फेसबुक और जूम के माध्यम से जुड़े संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जयपुर विश्वविद्यालय के पत्रकारिता के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ संजीव भानावत, विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली के जाने माने पत्रकार सतीश के सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। डॉ0 सर्वेश त्रिपाठी, गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली के द्वारा विषय प्रवर्तन किया गया। एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा की सहायक आचार्य डॉ0 आशिमा सिंह ने संचालन किया।

6. 22– 23 मई को बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रकोष्ठ (आईपीआर सेल) द्वारा दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 भगवती प्रसाद शर्मा समेत अन्य विद्वतजनों ने सम्बोधित किया।

7. 24 मई को कोविड 19 के दौर में टेलीविजन एंकरिंग एवं रिपोर्टिंग स्किल पर वेबिनार का आयोजन जनसंचार विभाग एवं पीआर नीति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। वेबिनार में आज तक एवं न्यूज–18 जैसे प्रतिष्ठित चैनलों की पत्रकार एवं पूर्व एंकर नवजोत एवं डीडी न्यूज के एंकर श्री अशोक श्रीवास्तव आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल हुए।

8. 27 से 29 मई तक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा उन्नत मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य मनोचिकित्सा के क्षेत्र में नवीन प्रगति विषय के तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयेजन किया गया।

9. 30 मई को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि प्रख्यात यात्रा लेखिका, ब्लॉगर एवं फोटोग्राफर डॉ0 कायनात काजी ने संबोधित किया।

न 2020

1. 09 जून को वित्तीय अध्ययन विभाग द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड–19 के प्रभाव पर अर्न्तराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

2. 13 से 15 जून तक प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा International e-conference on Advanced Functional Materials and Opoto Electronic Device का आयोजन किया गया।

2. 23 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बदलते परिवेश में राष्ट्रीय सेवा योजना की चुनौतियां एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

3. 24 जून को विश्वविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स द्वारा बदलते परिवेश में रोवर्स रेंजर्स युवाओं की भूमिका एवं विश्वविद्यालय विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

4. 29 जून को विश्वविद्यालय के 3 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत खेलकूद परिषद द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

5. अशोक सिंघल परम्परागत विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रारम्भ जैविक विज्ञान विषय पर व्याख्यानमाला श्रृंखला वेबिनार का 30 जून को समापन हो गया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं अशोक सिंहल परम्परागत विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान के समन्वयक डॉ मनीष कुमार गुप्ता (एसोसिएट प्रोफेसर बायोटेक्नोलॉजी) ने बताया कि इस दौरान कुल 14 व्याख्यान विभिन्न विषयों आयुर्वेदिक विज्ञान, औषधि विज्ञान, रसायन विज्ञान पर प्रो. कृष्णा मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक नासी एवं एम.एन. आई.टी. इलाहाबाद, डॉ0 संतोष गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ड्यूक विश्वविद्यालय अमेरिका, डॉ0 देवबख्श सिंह, सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर, प्रो0 रविकुमार गट्टी , हैदराबाद। केंदीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद, सौज्यना श्री केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरला, प्रो0 नवीन कुमार अरोरा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू, लखनऊ, डॉ0 वेंकटेश्वर मडका, ओखलामा विश्वविद्यालय अमेरिका, डॉ0 प्रमोद कटारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. पी.पी. माथुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुद्दुचेरी, डॉ0 आनंद गौरव, यू.सी.एस.आई. विश्वविद्यालय, क्वालालमपुर, मलेशिया, डॉ0 ऋतुराज पुरोहित, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सीएसआईआर, डॉ0 मोहन कमथान, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 राजेश वाशिटा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, प्रो0 अनिल कुमार, डायरेक्टर एजुकेशन, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झाँसी ने व्याख्यान दिए।

जुलाई 2020

1. 19 जुलाई को विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा "Covid-19 : Recent Trends in IT industry" विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

2. 21 जुलाई को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा पाईथन विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

3. 28 जुलाई को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा वायरलेस सेन्सर नेटवर्क विषय पर वेबिनार किया गया।

4. 31 जुलाई को कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा आनलाइन डाटा साइंस विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

अगस्त 2020

1. 17 अगस्त को विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने पदभार ग्रहण किया।
2. 19 अगस्त को कुलपति सभागार में कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने परिसर के संकायाध्यक्ष एवं आचार्यों के साथ बैठक कर विभिन्न मुददों पर चर्चा की।
3. 20 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कोविड–19 की जॉच हुईं।
4. 25 अगस्त को ''वर्तमान सन्दर्भों में गांधी चिंतन की प्रासंगिकता'' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन इंजीनियरिंग संस्थान द्वारा किया गया। वेबिनार में पूर्व कुलपति प्रो0 सुन्दर लाल ने विषय के आयामों पर विचार व्यक्त किये।
5. 28 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में कोविड–19 मास्क बैंक का उद्घाटन, कोविड–19 ई–प्रत्रिका का विमोचन एवं गरीबों के सहायतार्थ खाद्य सामग्री का वितरण कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य द्वारा किया गया तथा राज भवन के निर्देश पर गोद लिए गये गांव जासोपुर के 51 गरीबों को सहायतार्थ खाद्य सामग्री एवं मास्क का वितरण किया गया।
6. 31 अगस्त को राजभवन के निर्देश पर गोद लिये गये गॉव देवकली में 1200 मास्क बॉटे गये। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपदों में मास्क बैंक की स्थापना हो चुकी है तथा इन जनपदों में अभी तक 50 गॉवों को मास्क से पूर्ण रूप से संतृप्त करके पूरे प्रदेश में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

सितम्बर 2020

1. सितम्बर को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जी के निधन पर विश्वविद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया।
2. 07 सितम्बर को रोवर्स रेंजर्स भवन में एक छात्र एक पेड़ योजना अन्तर्गत कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य द्वारा पौधरोपण किया गया।
3. 10 सितम्बर, 2020 को "Panel discussion on suicide prevention" विषयक वेबिनार का अयोजन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया।
4. 11 सितम्बर को इन्जीनियरिंग संस्थान द्वारा ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : चुनौतियां एवं अवसर'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
5. 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय तथा विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा वेबिनार आयोजित किया गया।
6. 15 सितम्बर को इन्जीनियरिंग संस्थान में इन्जीनियरिंग दिवस मनाया गया।
7. 15 सितम्बर को ''बहुसांस्कृतिक समाज एवं आत्म निर्भर भारत'' विषय पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया।
8. 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्मदिन के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एन.एस.एस. द्वारा 71 के पौध रोपित किये गये।
9. 18 सितम्बर को ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : अवसर एवं चुनौतियां'' विषयक वेबिनार का आयोजन प्रबंध अध्ययन संकाय द्वारा किया गया।
10. 22 सितम्बर को ''पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी का आर्थिक सामाजिक चिन्तन'' विषय पर व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, वेबिनार का आयोजन किया गया।
11. 24 सितम्बर को ''कोविड–19 महामारी और मीडिया की भूमि'' विषयक वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग तथा प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
12. 25 सितम्बर को विश्वविद्यालय में पं. दीन दयाल उपाध्याय जन्म दिवस के अवसर पर प्रदेश के आवास एवं शहरी नियोजन राज्य मंत्री द्वारा ऑनलाइन अवार्ड वेरीफिकेशन का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य अतिथि के साथ पं. दीन दयाल उपाध्याय की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।
13. 26 सितम्बर, को कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग, दैट्स आइटी विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।
14. 26 सितम्बर को ''हिन्दी में विज्ञान संचार आवश्यकता चुनौतियॉं'' विषयक वेबिनार का आयोजन प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान, द्वारा किया गया।
15. 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर ''विश्व पर्यटन और ग्रामीण विकास'' विषयक वेबिनार का आयोजन उद्यमिता विभाग द्वारा किया गया।

अक्टूबर 2020

1. 01 अक्टूबर, को "Workshop on "Do's and Don'ts of communication : Managing the challenges of Covid Pendemic" का आयोजन मानव संसाधन विकास विभाग किया गया।
2. 02 अक्टूबर, को विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर गांधी वाटिका में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की प्रस्तुति की गयी। व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एवं सामाजिक दर्शन की प्रासंगिकता विषयक वेबिनार आयोजन किया गया।

3. 02 अक्टूबर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य को शांति के उन्नायक महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती पर ओस्लो, नार्वे की संस्था भारतीय–नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम द्वारा महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज सेवा, विश्व शांति, साहित्य सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में दुनिया के प्रतिष्ठित लोगों को दिया जाता है।

3. 09 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर के सरस्वती सदन में कोविड–19 के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की शपथ ली गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग और सरकार द्वारा जारी शपथ दिलायी गई । इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि इस घातक बीमारी से लड़ने के लिए सिर्फ सावधानी और बचाव की जरूरत है । हमें स्वास्थ्य विभाग और सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करना चाहिए और अपने साथ–साथ दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा मास्क और सेनिटाइजर को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। सार्वजनिक स्थलों पर दो गज की दूरी का ध्यान रखें।

4. 09 से 11 अक्टूबर, तक व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग एवं स्टेप फार स्किल केरल के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें देश–विदेश के मनोवैज्ञानिकों ने अपनी बात रखी।

5. 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन विषय पर वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य उपस्थित थी।

6. 17 अक्टूबर मिशन शक्ति मेगा लांच कार्यक्रम का आनलाइन आयोजन कर महिलाओं को जागरूक किया गया। यह आयोजन व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया।

7. 20 अक्टूबर को व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में बाल मनोविज्ञान की समझ विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

8. 21 अक्टूबर मिशन शक्ति के विशेष अभियान के अंतर्गत साइबर सुरक्षा एवं लैंगिक हिंसा की रोकथाम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

9. 25 अक्टूबर को मिशन शक्ति के विशेष अभियान के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन रोवर्स रेन्जर्स विभाग द्वारा किया गया।

10. 27 अक्टूबर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कियान्वयन विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, जनसंचार विभाग द्वारा किया गया। वेबिनार के मुख्य अतिथि श्री अतुल भाई कोठारी, राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं विशिष्ट अतिथि उ0प्र0 लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो0 आर0एन0 त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने किया।

11. 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों और उपकरणों का उपयोग विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन रोवर्स रेंजर्स द्वारा किया गया।

12. 31 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के प्रांगण में भारतरत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा का आनलाइन अनावरण माननीय कुलाधिपति / श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

नवम्बर 2020

1. 04 नवम्बर को एक दिवसीय ओरिएन्टेशन प्रोग्राम Post Covid-19 New Normal : Corporate Expectations and Managerial Preparation का आयोजन प्रबंध अध्ययन संकाय द्वारा किया गया।

2. 06 नवम्बर को शासन की Re-skilling of Teaching योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

3. 06 नवम्बर को विश्वविद्यालय के सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 30 जून, 2020 को सेवानिवृत्त हुए 28 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

4. 07 नवम्बर को मिशन शक्ति द्वारा युवाओं के भावात्मक स्वास्थ को मजबूत करने में काउन्सलिंग की भूमिका विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

5. 10 नवम्बर को परम श्रद्धेय स्व0 दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के जन्म शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर मजदूरों के अधिकार के क्रियान्वयन में दत्तोपंत ठेंगड़ी का योगदान एवं वर्तमान स्थिति विषय पर ई–संगोष्ठी का आयोजन दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा किया गया।

6. 11 नवम्बर को उ0प्र0 शासन की Re-Skilling of teaching योजना के अन्तर्गत उच्च शिक्षा में आनलाइन पाठ्य सामग्री का सृजन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया।

7. 12 नवम्बर को प्रबन्ध अध्ययन संकाय द्वारा दून विश्वविद्यालय के प्रो0 एच0सी0 पुरोहित का आनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

8. 15 नवम्बर को मूक्स प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षको, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज) के विविध आयामों से परिचित कराया गया।

9. 21 नवम्बर को Transition from campus tocorporate : Roadmap to Success विषय पर

एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आनलाइन आयोजन प्रबन्ध अध्ययन संकाय के एच0आर0डी0 विभाग द्वारा किया गया।

10. 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर समाजार्थिक–राजनीतिक जनचेतना का विकास एवं भारतीय गणतंत्र विषय पर ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

11. 27 नवम्बर को पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय जी की दृष्टि में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

12. राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का पाठ किया गया तथा सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एवं कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम तथा मास्क वितरण का कार्य किया गया।

दिसम्बर 2020

1. 07 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में नवागत विद्यार्थियों के लिये आरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थियों को अनुशासन में रहने का संकल्प दिलाया गया।

2. 07 दिसम्बर को मिशन शक्ति द्वारा युवाओं के भावनात्मक स्वास्थ्य को मजबूत करने में काउन्सलिंग की भूमिका विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

3. 10 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के एच0आर0डी0 विभाग द्वारा कोरोना महामारी के समय में विद्यार्थियों में तनाव प्रबंधन एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य हेतु मैनेजिंग स्ट्रेस एट वर्क विषय पर विशिष्ट ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

4. 12 दिसम्बर को राष्ट्र सृजन अभियान संस्था के द्वारा कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य को कोरोना कर्मवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। कोविड–19 के दौरान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जिलों के महाविद्यालयों में अनवरत सेवा और समर्पण भाव को देखते हुए कुलपति को यह सम्मान देने का निर्णय किया गया। संस्था ने कोविड–19 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करने, उन्हें मदद करने, खाद्य सामग्री, सेनेटाइजर एवं अन्य जरूरी सामान वितरण कर अपना अनवरत योगदान किया। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना और रोवर्स/रेंजर्स की टीमों को जागरूकता अभियान के लिये लगाये रखा। साथ ही शासन के दिशा–निर्देशों का पालन कराते हुए विश्वविद्यालय में सुरक्षा के साथ–साथ पठन पाठन का संचालन किया जा रहा है।

5. 14 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय द्वारा विकासवादी दृष्टिकोण से ग्राहक मूल्य का नवाचार एवं विपणन का विकास विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

6. 14 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा कार्यक्रम अधिकारियों के पी0एफ0एम0एस0 आधारित प्रशिक्षण का आयोजन किया गया तथाविश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांवों के 51 गरीबों को कम्बल का वितरण किया गया साथ ही गोद ली गयी बच्ची को फल एवं ड्राई फ्रूट की टोकरी तथा कम्बल प्रदान किया गया।

7. 14 दिसम्बर को प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा कस्टमर वैल्यू एवं मार्केटिंग विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

8. 18 से 24 दिसम्बर विश्वविद्यालय के रोवर्स रेंजर्स भवन में राष्ट्रीय रेंजर के एडवांस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

9. 22 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी के विज्ञान संचारक डॉ0 विकास मिश्र का ऑनलाइन विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

10. 22 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में राष्ट्रीय गणित दिवस तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

11. 24 दिसम्बर को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व0 अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता तथा काव्यपाठ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

12. 24 दिसम्बर को मिशन शक्ति द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर नवजात पुत्री की माताओं को सम्मानित किया गया।

13. 25 दिसम्बर को भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयंती के अवसर पर आश्रय सेवा संस्था द्वारा आयोजित तथा संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं सुबह बनारस के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, कुलपति को सम्मानित किया गया।

14. 27 दिसम्बर को माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर गोद लिये गये गांव देवकली में निजी तौर पर बड़ी संख्या में गरीबों को कम्बल बांटे गये और कोविड–19 जागरूकता अभियान की शुरूआत की गयी। इस अवसर पर महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को कोविड–19 से बचने के उपाय बताये गये। साथ ही साथ प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग में पढ़ाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

15. 29 दिसम्बर को जनपद मुख्यालय के ग्राम प्रेमराजपुर में स्थित वृद्धाश्रम के 50 से अधिक बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों को कम्बल, मास्क, साबुन, फल, बिस्किट वितरित किया गया तथा कोविड–19 के बारे में जागरूक किया गया।

री 2021

1. 02 जनवरी को स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप–2019 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की रिपोर्ट के आधार पर चयनित दो टीमें विजेता घोषित हुई। इस पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य, क्षेत्रीय निदेशक, डॉ. आलोक श्रोति, राज्य संपर्क अधिकारी अंशुमालि शर्मा आदि ने बधाई दी।

2. 12 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के रज्जू भैया संस्थान में स्वामी विवेकानंद : जीवन और दर्शन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निबंध, प्रश्नोत्तरी और संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी क्रम में विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय में भी राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में समारोह आयोजित किया गया।

3. 14 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने विश्वविद्यालय में संचालित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के प्रमाणपत्रों को वितरित किया।

4. 18 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति सभागार में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संदर्भ में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता राजीव गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के कुलपति, प्रो0 साकेत कुशवाहा का संबोधन हुआ।

5. 23 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर में रोवर्स / रेंजर की ओर से नेताजी सुभाषचंद्र की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में प्रबंध अध्ययन संकाय भवन में नेताजी की जयंती पर भाषण, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

6. 26 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के सरस्वती सदन में ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने ध्वजारोहण कर शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को सम्बोधित किया। इसके बाद शिक्षकों और प्रशासन की ओर से क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

7. 28 जनवरी को इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक डॉ0 महेंद्र प्रताप यादव की पुस्तक "स्मृतियों में नारी विमर्श" (हिन्दू विधि के आलोक में) का लोकार्पण समारोह हुआ। इसमें रांची और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति, प्रो0 सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, विशिष्ट अतिथि, बी.एच.यू. इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की प्रो0 विभा त्रिपाठी, विधि विभाग की प्रो0 विभा त्रिपाठी, डॉ0 मनराज यादव मुख्य रूप से रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलपति, प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने किया।

8. 29 जनवरी को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया भौतिकी संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में रज्जू भैया की जयंती पर व्याख्यानमाला–2 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राची और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो0 सुरेंद्र सिंह कुशवाहा मुख्य अतिथि थे। पूर्व कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव बीजवक्ता और नेहरू युवा केंद्र संगठन युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के शासी निकाय के सदस्य श्री शतरुद्र प्रकाश विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने किया।

9. 30 जनवरी को स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में विश्वविद्यालय परिवार ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

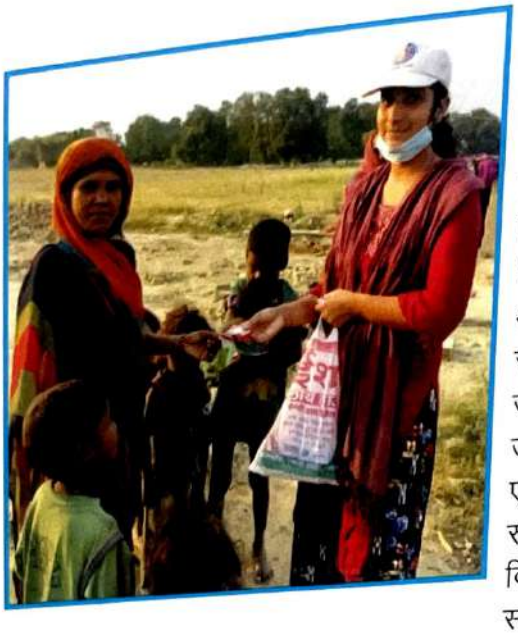

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने वर्ष सत्र–2020–21 में कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। इसके कारण विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय योजना प्रकोष्ठ देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास प्रदेश शासन द्वारा पहली बार 09 नवम्बर, 2020 को प्रथम आवंटन सूची में पूरे प्रदेश विश्वविद्यालयों में सबसे अधिक इस विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों को इकाईयां आवंटित विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुल 364 महाविद्यालयों में 58500 छात्र संख्या का आवंटन किया गया और लगभग 4500 छात्र संख्या के आवंटन हेतु शासन स्तर पर प्रक्रियागत है। स्वय सेवको राष्ट्रीय सेवा योजना का चिंतन महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के विचारों से अनुप्राणित उक्त महापुरुषों के मतानुसार छात्र जीवन न केवल बौद्धिक विकास का समय है, बल्कि जीवन के निर्माण का भी समय है। शिक्षा के तृतीय आयाम के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना शि एवं समुदाय को जोड़ने वाली महत्त्वपूर्ण कड़ी है, जिससे विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओ रूबरू कराया जाता है। समस्याओं का समाधान करके स्वंयसेवक अपने अन्दर कौशल विकास करते हैं। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में भ सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा सत्र 2019–20 में Empanelled Train Institute (ETI) की स्थापना की गयी। इसमें आठ विश्वविद्यालयों के 75 कार्यक्रम अधिकारियों को दो बैच में प्रशिक्षण दिया गया है। पहला 17जनवरी से 23 जनवरी 2020, दूसरा बैच 11 से 17 फरवरी 2020 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रमुख उपलब्धियाँ –

1. भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2020–21 हेतु 02 स्वयंसेवकों (स्नेहा मिश्रा, टी0डी0 महि महाविद्यालय जौनपुर, विशाल कुमार, आर0एस0के0डी0 पी0जी0 कालेज जौनपुर) का चयन गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली (01 जनवरी से जनवरी 2021) के लिए हुआ, जिन्होंने 26 जनवरी 2021 गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करके विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।
2. माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 50 गांवों में कोविड– महामारी से बचाव कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम, मास्क, साबुन, सेनेटाइजर, गरीबो सहायतार्थ खाद्य सामग्री एवं कम्बल का वितरण किया गया।
3. कोविड–19 महामारी से बचाव हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा 85 गांवों को मास्क से संतृप्त करके प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कि इसकी घोषणा रा0से0यो0 स्वर्ण जयन्ती महोत्सव के अवसर पर 24 सितम्बर 2020 को माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, श्रीमती नीलिमा कटि जी ने किया। इस कार्यक्रम को माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने विशिष्ट अतिथि के रुप में सम्बोधित किया। कोविड–19 के दौर यूनिसेफ एवं रा0से0यो0 उ0प्र0 शासन द्वारा कोरोना से भयभीत लोगों की काउन्सलिंग के लिए चलाये गये "मुस्क योगा इण्डिया" इनीशिएटि कार्यक्रम में चारों जनपदों (जौनपुर, आजमगढ़, मऊ एवं गाजीपुर) में 20 काउन्सलर नियुक्त किये गये, जिसमें मई माह में डॉ0 श्री निवास तिवा कार्यक्रम अधिकारी (रा0से0यो0), कुटीर पी0जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर द्वारा पूरे प्रदेश में सर्वाधिक काउन्सिलिंग करके प्रथम स्थान प्रा किया। इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत ही माह जुलाई 2020 में डॉ0 अवधेश कुमार मौर्य, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी (रा0से0यो0), डॉ0 अख्तर हस रिजवीं शिया डिग्री कालेज, जौनपुर द्वारा सर्वाधिक काउन्सलिंग करके प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं माइंड शेयर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर 01 जुलाई से 15 अगस्त 2020 तक आनलाइ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें 100 से अधिक महाविद्यालयों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में राजा श्री कृष्णदत्त पी0जी0 कालेज, जौनपुर का पूरे देश में प्रथम स्थान रहा तथा इसी कालेज की स्वयंसेविका शुभ्रा पाण्डेय को वीडियो कॉन्टेस्ट में स्पेशल ज्यू एवार्ड प्राप्त हुआ।
5. 26 अगस्त 2020 को कुटीर पी0जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर में मा0 सांसद मछली शहर वी0पी0 सरोज एवं कार्यक्रम समन्वयक द्वारा संयुक्त रू से कोविड–19 मास्क बैंक एवं कोविड–19 हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया।
6. 28 अगस्त, 2020 को मा0 कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में मास्क बैंक का उद्घाटन एव विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गांव जासोपुर चकिया के 51 वनवासी गरीबो के सहायतार्थ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर कोविड–19 हेल्थ डेस्क की स्थापना एवं कोविड–19 ई–पत्रिका का विमोचन भी किया गया।
7. आरोग्य सेतु एप, आई गाट दीक्षा एप एवं आयुष कवच एप को लोगों को डाउनलोड करने, मास्क प्रयोग करने, शारीरिक दूरी, हाथों की नियमित धुलाई, साबुन एवं सेनेटाईजर का प्रयोग तथा लॉकडाउन के नियमों का पूर्णतया पालन करने के लिए एन0एस0एस0 के स्वयंसेवकों ने अपने आस–पास के लोगों को जागरूक किया।

8. गाजीपुर जनपद के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अखिलेश शर्मा शास्त्री ने गोद लिए गये गांवों में स्वयं तथा जनसहयोग से एक लाख रूपये की खाद्य सामग्री गरीबों के सहायतार्थ वितरित की।

9. 14 दिसम्बर 2020 को राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से आर्यभट्ट सभागार, विश्वविद्यालय परिसर में मा0 कुलपति महोदया द्वारा गोद लिए गये कुकुड़ीपुर व सुल्तानपुर गांव के 50 गरीबों को कम्बल वितरित किया गया। मा0 कुलपति जी द्वारा गोद ली गई छात्रा कंचन भारती को कम्बल, फल, ड्राईफूट एवं खाद्य सामग्री प्रदान की गई। रा0से0यो0 कार्यक्रम अधिकारियों का पी0एफ0एम0एस0 आधारभूत प्रशिक्षण एवं कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया।

10. प्रवासी मजदूरों के पलायन के समय फरीदुल हक मेमोरियल डिग्री कालेज, सबरहद, शाहगंज एवं पी0जी0 कालेज, गाजीपुर द्वारा प्याऊ लगाकर मजदूरों की सहायता की गई।

11. 15 अक्टूबर 2020 को विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

12. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 71वें जन्मदिन 17 सितम्बर 2020 के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय सम्बद्ध विभिन्न महाविद्यालयों सहित कुल 501 पीपल के पौधे रोपित किये गये।

13. स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप 2019 में विश्वविद्यालय की स्वयंसेविकाओं को प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा पचास हजार की धनराशि प्रदान की गई।

14. 26 नवंबर 2020 को संविधान दिवस पर विभिन्न इकाइयों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया।

15. 25 जनवरी को मतदाता जागरुकता कार्यक्रम एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न इकाईयों द्वारा किया गया।

16. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लोगो तक पहुँचाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा वेबिनार आयोजित किये गये।

17. पर्यावरण को हरा–भरा बनाये रखने के लिये एक छात्र एक–एक पेड़ योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध चारों जनपदों में जुलाई माह में वृहद् पौधरोपण अभियान के तहत 60 हजार से अधिक पौधे रोंपे गये।

समय–समय पर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत कन्या भ्रूण हत्या, लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, साक्षरता, सोशल मीडिया के सामाजिक उपयोग, कौशल विकास के लिये युवा, पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियंत्रण सप्ताह, एड्स जागरुकता, मतदाता जागरुकता अभियान, मिशन इन्द्रधनुष, पल्स पोलियो टीकाकरण सहित अन्य समाजोपयोगी विषयों पर कार्य किये जा रहे हैं।

बापू बाजार

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व कुलपति प्रो0 सुन्दर लाल ने 30 जनवरी 2011 को बापू के बलिदान शहीद दिवस पर विश्वविद्यालय से सटे जनता जनार्दन इण्टर कालेज, जासोपुर चकिया, जौनपुर से गरीबों को ससम्मान सहायता के लिए बापू बाजार की शुरुआत की थी। इस 10 वर्षीय यात्रा को पूर्व कुलपति प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल, प्रो0 राजाराम यादव एवं वर्तमान कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य भी आगे बढ़ा रहीं हैं। विश्वविद्यालय के रा0से0यो0 इकाइयों द्वारा गरीबों को ससम्मान सहायता क लिये बापू बाजार निरन्तर लगाये जा रहे है। इसमें प्रतीकात्मक मूल्य 2 रु, 5 रु एवं 10 रु में दैनिक उपभोग की वस्तुएं, कपड़े, जूते, चप्पल, कापी–किताब, कम्बल, सब्जियां, घरेलू प्रयोग की वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं। ये वस्तुएं स्वयंसेवकों द्वारा समाज से मांग कर बेची जाती हैं। वस्तुओं के बापू बाजार मे विक्रय करने के पीछे यह दृष्टिकोंण है कि किसी व्यक्ति को दान के रुप में या निःशुल्क कोई सामान दे दिया जाय तो उसके सम्मान को ठेस पहुंचती है और वह अपने को दबा हुआ महसूस करता है। बापू बाजार से जब कोई व्यक्ति सामान खरीदकर ले जाता है तो वह सम्मान के साथ कह सकता है कि उसने यह बापू बाजार से खरीदा है।

विश्वविद्यालय की इस अनूठी पहल बापू बाजार का प्रतिष्ठित पत्रिका इंडिया टुडे ने 17.08.2011 प्रकाशित किया। स्थानीय, प्रादेशिक एवं देश तथा विदेश में भी विश्वविद्यालय को 'बापू बाजार' से विशिष्ट पहचान मिली है। अभी तक विभिन्न जनपदों में कुल 60 बापू बाजार आयोजित किये जा चुके हैं। महात्मा गांधी की पुण्य तिथि शहीद दिवस पर 30 जनवरी 2021 को फरीदुल हक मेमोरियल डिग्री कालेज सबरहद शाहगंज, जौनपुर में बापू बाजार का आयोजन किया गया। इसकी मुख्य अतिथि कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए बापू के विचारों को जीवन में उतारने का सन्देश दिया। अभी तक बापू बाजारों से अर्जित धनराशि से बापू स्वाभिमान कोष में कुल रु0 2,45,504.00 (रुपया दो लाख पैंतालिस हजार पाँच सौ चार केवल) जमा है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गोद लिए पचास गाँव

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त 2019 को राजभवन लखनऊ में आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा गॉव को गोद लेकर टी0 बी0, कुपोषण, पालीथीन मुक्त करने एवं गरीब बच्चों को गोद लेकर उनका सर्वांगीण विकास करने एवं स्कूल छोड़ने वाले छात्रों को प्रेरित करके पुनः विद्यालय में प्रवेश दिलाने का आह्वान किया था। राजभवन में तत्कालीन कुलपति प्रो0 राजाराम यादव ने 50 गांव गोद लेकर उनका विकास करने का संकल्प लिया था। उक्त कम में 03 सितम्बर 2019 को संबद्ध समस्त जनपदों एवं विश्वविद्यालय परिसर के प्राचार्यों, प्राध्यापकों, प्रबंधकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में विश्वविद्यालय परिसर सहित 46 महाविद्यालयों ने कुल 50 गांव गोद लिया। साथ ही साथ 53 बच्चों को गोद लेकर उनके सर्वांगीण विकास का निर्णय लिया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये इन पचास गांवों में कोरोना संक्रमण के पूर्व 25 गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किये गये एवं विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए गये। वर्तमान कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य ने इन गांवों के विकास में अत्यधिक रुचि दिखाई। कार्यभार ग्रहण करने के बाद विभिन्न गांवों में गरीब बस्तियों तथा वृद्धाश्रम में आर्थिक मदद, खाद्य सामग्री का वितरण एवं कम्बल, साबुन, मास्क एवं सेनिटाइजर के वितरण कार्यक्रम में स्वयं प्रतिभाग किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग को लगातार सक्रियता के साथ चलाने का निर्देश दिया। कोरोना से भयभीत लोगों को जागरूक करने के लिये दो गज की दूरी, मास्क जरुरी तथा साबुन से हाथ धुलने एवं सेनेटाइजर के प्रयोग को बढ़ावा देने का कार्य इन गांवों में किया गया। अभी तक लगभग गोद लिये गये पचास गांवों में मास्क, साबुन, सेनिटाइजर, खाद्य सामग्री का वितरण एवं प्रवासी मजदूरों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की जा चुकी है।

रोवर्स/रेंजर्स

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के रोवर्स/रेंजर्स विभाग द्वारा नये–नये कीर्तिमान स्थापित किये जा चुके हैं। स्काउटिंग के जन्मदाता लार्ड स्टीफेंशन स्मिथ वेडेन पावेल की परिकल्पना के आधार पर प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन काल में स्काउटिंग सीखना चाहिए और समाज सेवा के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिए। भारत स्काउट गाइड गैर राजनैतिक, वर्ण भेद की भावना से रहित अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है। रोवर्स/रेंजर्स के संयोजक डॉ0 जगदेव सफलता पूर्वक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

रोवर्स/रेंजर्स की उपलब्धियां -

1. विश्वविद्यालय रोवरिंग और रेंजरिंग के क्षेत्र में प्रदेश में प्रथम स्थान है। लगातार तीन वर्षों से यह विश्वविद्यालय प्रदेश चैम्पियन बना हुआ है।
2. यह प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है जहाँ पर रोवर्स/रेंजर्स शताब्दी वर्ष समारोह (रोवर्स/रेंजर्स मूट) का आयोजन किया गया।
3. यह प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है जहाँ पर रोवर्स/रेंजर्स को अपना भवन और परिसर है।
4. पहली बार प्रादेशिक रैली का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में फरवरी 2020 में आयोजित किया गया।
5. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपद आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर और जौनपुर में प्रत्येक महाविद्यालय में रोवर्स/रेंजर्स का अपना मद होता है जिससे महाविद्यालय स्तर पर रोवर्स/रेंजर्स टीमों का गठन, प्रशिक्षण, मानदेय, समागम आदि कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं।
6. जनपद संयोजकों के माध्यम से एक छात्र–एक पेड़ अभियान के अन्तर्गत लगभग 2000 पौधे विभिन्न महाविद्यालयों में लगवाये गये।
7. 6 सितम्बर 2020 को माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य जी के द्वारा पीपल का पौधा लगाकर वृहद पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत रोवर्स/रेंजर्स भवन विश्वविद्यालय परिसर से की गयी।
8. कोविड–19 लॉक डाउन के दौरान 24 जून 2020 को "बदलते परिवेश में रोवर्स/रेंजर्स युवाओं की भूमिका और पूर्वांचल विश्वविद्यालय" विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।

9. 25 अक्टूबर 2020 को उ0प्र0 शासन द्वारा चलाये जा रहे "मिशन शक्ति कार्यक्रम" के अन्तर्गत रोवर्स/रेंजर्स विभाग द्वारा ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया।
10. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत 30 अक्टूबर 2020 को रोवर्स/रेंजर्स इकाई द्वारा "ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों और उपकरणों का उपयोग" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
11. 24 नवम्बर 2020 को रोवर्स/रेंजर्स कार्यसमिति की बैठक में प्रथम बार निर्णय किया गया कि रोवर्स/रेंजर्स को स्किल–ओ–रामा के अन्तर्गत मास्क बनाना, घरेलू सेनेटाइजर और आपदा प्रबन्धन पर विशेष प्रशिक्षण देना सम्मिलित किया गया।
12. माननीय कुलपति प्रो0 निर्मला एस. मौर्य जी के संरक्षकत्व में कोविड–19 का पालन करते हुए प्रथम बार विश्वविद्यालय परिसर में दिनॉक 18 से 24 दिसम्बर 2020 के बीच एडवांस कोर्स रोवर्स/रेंजर्स लीडर्स प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जबकि इससे पूर्व बेसिक कोर्स सम्पन्न हुआ था।

पाँच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैम्प - 2020 (27 - 31 जनवरी, 2020)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के इन्सपायर (Innovation in Science Pursuit for Inspired Research) सहयोग से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के प्रांगण में पाँच दिवसीय (27–31 जनवरी 2020) इंस्पायर साइंस कैम्प का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों के 48 विद्यालयों से कुल 628 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 201 विद्यार्थियों का आवासीय कैंप में चयन किया गया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इतिहास में इस प्रकार के कार्यक्रम का प्रथम बार आयोजन हुआ जिसमें उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, अम्बेडकर नगर, गाजीपुर, सुल्तानपुर, संतकबीर नगर, महाराजगंज, प्रयागराज, रायबरेली, सोनभद्र के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के चेयरमैन प्रो. बी.बी. तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं सभी का आभार के बारें में बताया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री जयंत सहसाबुद्धे, विज्ञान भारती, नई दिल्ली ने भारत की प्राचीन व आधुनिक वैज्ञानिक परम्परा पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्णा मिश्रा, आई.आई.आई.टी. इलाहाबाद ने इंस्पायर कार्यक्रम की प्रासंगिता पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजा राम यादव ने विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति प्रेरित किया।

प्रथम सत्र में "भविष्य के भारत के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का भी आयोजन हुआ। इंस्पायर साइंस कैम्प के पहले दिन के द्वितीय सत्र मे विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्णा मिश्रा, आई.आई.आई. टी. इलाहाबाद ने प्रतिभागियों को विज्ञान और समाज के बीच के संबंध को सरल भाषा मे समझाया।

आई. आई. टी. दिल्ली के प्रो. नीरज खरे ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना भरने के लिए को महान वैज्ञानिकों के उदाहरणों व प्रयोगों का सचल चित्रण से व्याख्या की। प्रो. पी. पी. माथुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी ने डीएनए व उसके संचार विधि व प्रकिया से विद्यार्थियों को परिचित कराया। दूसरे दिन के प्रथम सत्र में गणित तथा भौतिकी के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया ।

प्रो. सत्यदेव, एच आर आई इलाहाबाद ने वैदिक काल में गणित की उपलब्धियों पर चर्चा की। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. मनमोहन सिंह मारवाह ने विद्यार्थियों को बहुत रुचिकर और प्रायोगिक तरीके से भौतिक विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त को समझाया ।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, कोच्ची केरल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. आलोक कुमार गुप्ता ने विज्ञान का दैनिक जीवन मे होने वाले प्रयोगों पर चर्चा की। तीसरे दिन के प्रथम सत्र में भौतिकी, जीव विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया । प्रो. मनमोहन सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने विद्यार्थियों के बीच दैनिक जीवन मे होने वाले विभिन्न घटनाओं को प्रयोगों के माध्यम से बहुत सरल भाषा मे रामझाया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के प्रो. बी. पी. सिंह ने विद्यार्थियों को पृथ्वी विज्ञान और उससे सम्बंधित विभिन्न जटिल प्राकृतिक घटनाओं जैसे जलवायु परिवर्तन, ब्रह्माण्ड के गूढ़ रहस्य को सरल भाषा मे समझाया। केन्द्रीय विद्यालय, लखनऊ के शिक्षक श्री सुशील कुमार ने विभिन्न जटिल जैविक प्रक्रियाओं को रोचक तरीके से प्रयोग के माध्यम से समझाया ।

इंस्पायर साइंस कैम्प के चौथे दिन के प्रथम सत्र में रसायन विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर देवेश कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों कौ बताया कि कैसे तकनीक का विकास कर प्रदूषण को कम किया जा सकता है। उन्होंने विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं को भी बहुत सरल भाषा में समझाया। आईआईटी रुड़की के डॉ. यशवीर सिंह ने औषधियों और उसके शरीर में कार्य करने के विभिन्न तरीकों को विस्तारपूर्वक सरल भाषा मे समझाया।

इंस्पायर साइंस कैम्प के पाँचवें दिन के प्रथम सत्र में जीवन विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। आई. आई. टी. कानपुर के बायोलॉजिकल साइंस एवं बायोइंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एस. शंकररामाकृष्णन ने कोशिका के स्तर पर होने वाली विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को सचल चित्र के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। आई. आई. टी. दिल्ली के प्रो. मैथिली शरण ने गणित का समाज में समस्याओं के समाधान में उपयोगिता पर चर्चा की। उन्हें बताया कैसे महानगरों जैसे दिल्ली आदि में संख्या का प्रयोग करके लोगों के आवागमन को सुगम बनाता है। रसायन विभाग, बी.एच.यू. के विभागाध्यक्ष, प्रो. दया शंकर पाण्डेय ने धातु व उसके प्रदूषण पर चर्चा की। प्रो0 पाण्डेय ने आवर्त सारणी के विभिन्न तत्वों और उनकी उपयोगिता पर चर्चा की। पाँच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैम्प के समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति–पत्र वितरित किया गया। इसके साथ–साथ समापन सत्र में पोस्टर तथा निबंध के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इंस्पायर साइंस कैम्प 2020 के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने सफलतापूर्वक यह आयोजन किया।

"प्रेरणा" निःशुल्क कोचिंग

विश्वविद्यालय का यह नैतिक उत्तरदायित्व बनता है कि वह जिस क्षेत्र विशेष में अवस्थित है उस क्षेत्र का विकास उसके द्वारा किया जाना चाहिए। इस उद्देश्य की सार्थकता को सिद्ध किया जा रहा है। विगत 7 वर्षों से संचालित निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा के द्वारा जो पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली गाँव के पंचायत भवन में विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, फार्मेसी एवं प्रो0 राजेन्द्र सिह संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा संचालित होती है। विद्यार्थियों का एक समूह अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरत मंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य ये छात्र कर रहें हैं। प्रेरणा का आविर्भाव 4 फरवरी 2014 को हुआ था। यह कोचिंग पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के आस–पास के लगभग 8 गाँवों के उन सभी बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है। इस कोचिंग की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शुरू हुई थी। विगत 7 वर्षों में डॉ० राज कुमार, विभागाध्यक्ष गणित विभाग के निर्देशन में इस कोचिंग ने प्रारंभ में 30 बच्चों से शुरू करते हुए आज तक लगभग 1500 बच्चों को लाभान्वित किया है। कोचिंग में यथा समय आर्थिक सहयोग विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ. राज कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, प्रो. विक्रम देव शर्मा एवं अन्य शिक्षकों द्वारा साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयकों द्वारा किया जाता है। इस कोचिंग के संस्थापक छात्र विशाल सिंह एवं अभिनव नागर रहे हैं।

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को डिग्री स्तर शिक्षा देने के अलावा नैतिक कर्तव्य बनता है कि उसके आस–पास के ग्रामीण अंचल को भी लाभान्वित करें। जहाँ विगत तीन वर्षों में उच्च डिग्रीधारक बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के क्षेत्र में केन्द्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा अप्रतिम प्रयास किया गया। जो युवक बेरोजगार हैं परन्तु बहुत ऊँची शिक्षा प्राप्त नहीं किये हैं, उनको भी यदि उनकी रूचि के अनुसार प्रशिक्षित किया जाये एवं उसके बाद या तो उनको रोजगार प्रदान किया जाए अथवा अपने व्यवसाय चलाने योग्य बना दिया जाए। इसे अंजाम देने का कार्य विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा किया जा रहा है जिसका लोकार्पण डॉ० महेंद्र नाथ पाण्डेय, मा० केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जी के कर कमलों से 16 सितम्बर 2019 को संपन्न हुआ। DEZAVIEW SKILLS PVT. LTD. एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मध्य एक करार किया गया जिसके माध्यम से कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र में 60बेरोजगारों को प्रशिक्षण देते हुए रोजगार प्रदान कराया। इस सहयोग के लिए DEZAVIEW SKILLS PVT. LTD. के निदेशक, डॉ० पीयूष सक्सेना एवं भूतपूर्व प्रशासनिक अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी DEZAVIEW SKILLS PVT. LTD. श्री शिव राज अस्थाना जी का विशेष योगदान रहा। इस कार्य को ग्रामीणों से विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तक पहुँचाने में पूर्वांचल ग्रामोदय समिति के छात्रों शील निधि सिंह, राजन गुप्ता एवं संतोष यादव, साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ० राज कुमार का भी अभूतपूर्व योगदान रहा। अब विश्वविद्यालय इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश एवं जनपद स्तर से इन कार्यक्रमों को चलाये जाने के लिए प्रयासरत है जिसके माध्यम से बेरोजगार युवकों को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षित करते हुए उनको रोजगार प्रदान किया जायेगा।

फेलोशिप

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

विश्वविद्यालय में डाक्टोरल / पोस्ट डाक्टोरल डिग्री हेतु विभिन्न विषयों में यू0जी0सी0 द्वारा प्रदत्त विभिन्न स्कीम के अन्तर्गत जे0आर0एफ0 / एस0आर0एफ0 / आर0जी0एन0एफ0 / आर0जी0ए0एस0 आई0सी0 / एम0ए0एन0एफ0 / पी0डी0एफ0 / एन0एफ0 ओ0बी0सी0 एवं मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स द्वारा एन0एफ0एस0टी0 फेलोशिप हेतु वर्तमान में लगभग 482 शोधार्थी पंजीकृत है जिन्हें विश्वविद्यालय के यू0जी0सी0 प्रकोष्ठ द्वारा केनरा बैंक–यू0जी0सी0 पोर्टल पर ऑन लाइन पंजीकरण प्रत्येक माह का फेलोशिप ऑन लाइन अग्रसारित किया जाता है। फेलोशिप की धनराशि पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन द्वारा डायरेक्ट शोधार्थी के खाते में भेजा जाता है जिससे छात्र– छात्रायें लाभान्वित हो रहे है। विश्वविद्यालय के इन शोधार्थियों को गुणवत्तायुक्त शोध हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाँच वर्षों में लगभग 10 अरब रूपये की व्यवस्था भारत सरकार द्वारा उपरोक्त समस्त फेलोशिप के मद में प्राविधान किया गया है, जो कि विश्वविद्यालय के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस कार्य को यू0जी0सी0 प्रकोष्ठ के समन्वयक, प्रो0 राजेश शर्मा सुचारू रूप से सम्पन्न कर रहे हैं।

विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय

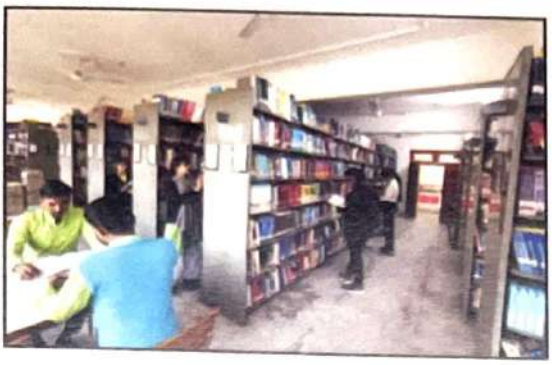

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सन 1999 में केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गई। सन् 2004 में आधुनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण किया गया जिनका नाम विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय रखा गया और इसका उदघाटन तत्कालीन उपराष्ट्रपति माननीय श्री भैरव सिंह शेखावत ने किया था। सन् 2016 में उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पुस्तकालय को सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स से नवाजा है। वर्तमान समय में 182379 पाठ्य पुस्तक व सन्दर्भ पुस्तक, 211 भारतीय / विदेशी जर्नल व मैग्जीन, 557 बैक वैल्यूम, 8226 पीएच.डी. थीसिस, 742 सी.डी., 216 गर्वनमेन्ट पब्लिकेशन एवं विश्वविद्यालय सम्बंधित प्रेस क्लिपिंग 2008 से उपलब्ध है। पुस्तकालय में इटीडी लैब, डिजिटल पुस्तकालय एवं ई-पुस्तकालय स्थापित है जिसमें 20 कम्प्यूटर के साथ 1 जी0बी0पी0एस0 बी0एस0एन0एल0 लीज लाइन की सुविधा उपलब्ध है। यहां पर 28000 से अधिक ई–बुक्स, 3600 ई–जर्नल, ई–थिसिस, ई–डाटाबेस एवं ई–आरकाइब्स के लिये स्प्रिंगर, माइग्राहिल, एल्सबियर, टेलर एण्ड फ्रान्सिस, पियर्सन, वाईले, सेज, रायल सोसाइटी आफ केमेस्ट्री, नेचर पब्लिकेशन, आई ईईई एमराल्ड, एप्सको, पब्लिशर का ई–रिर्सोस उपलब्ध है। पुस्तकालय में छात्र–छात्राओं को वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। 2015 से पुस्तकालय में बुक–बैंक की सुविधा उपलब्ध है जिसमें सभी छात्र–छात्राओं को पूरे एक सेमेस्टर के लिये पुस्तकें दी जाती है।

शोध गंगा पर प्रदेश में द्वितीय व देश में सातवां स्थान

Shodhganga
a reservoir of Indian theses

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय यू0जी0सी0 के शोधग्रंथ पोर्टल शोध गंगा प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में 8226 शोधग्रंथ के साथ द्वितीय और देश में सातवें स्थान पर है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित शोधगंगा एक ऐसा प्लेटफार्म है जिस पर देश के 476 विश्वविद्यालय शोधग्रंथ को अपलोड कर रहे हैं। वर्तमान समय में 295000 शोधग्रंथ उपलब्ध है जो इण्टरनेट के माध्यम से कोई भी शोधग्रंथ को अध्ययन कर सकता है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा शोधग्रंथ को अपलोड करने का कार्य 2016 में प्रारम्भ हुआ। इस कार्य का सफलता पूर्वक संचालन शोधगंगा के विश्वविद्यालय समन्वयक, डॉ0 विद्युत कुमार मल द्वारा किया जा रहा है।

मिशन शक्ति

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शासन के निर्देश के क्रम में एवं कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य के संरक्षण में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए विशेष जागरूकता अभियान समय–समय पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति की समन्वयक, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव एवं अन्य महिला शिक्षिकाओं के निरन्तर प्रयास से यह कार्यक्रम संचालित हो रहा है। अब तक कुल 9 वेबीनार संपन्न किया गये। 17 अगस्त 2020 को मिशन शक्ति मेगा लांच किया गया। मिशन शक्ति के कार्यक्रम में बतौर वक्ता भिन्न–भिन्न क्षेत्रों की महिला एवं पुरुष पदाधिकारियों का सहयोग लिया गया जिसमें मुख्य रुप से प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी (महिला कल्याण परिवार कल्याण, पूर्व मंत्री), परेश शाह, वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ (शिक्षा खंड), श्रीमती किरण सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता (सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली), डॉ. अर्चना शिवहरे (आई.पी.एस., गुजरात), सलोनी प्रिया, निदेशक (उम्मीद काउंसलिंग एंड कंसलटिंग सर्विस) आदि वक्ताओं ने महिला सुरक्षा कानून, स्वास्थ्य, पोषण के साथ–साथ सरकारी योजनाओं के प्रति भी छात्राओं को जागरूक किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के संकाय भवन में 26 मई 2018 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यक्तित्व कृतित्व एवं चिंतन पर आधारित शोध को बढ़ावा देता है तथा संबंधित विषय पर प्रतिवर्ष सेमिनार, कार्यशाला, पोस्टर प्रतियोगिता व सिंपोजियम आदि का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है तथा शोध छात्रों को पुस्तकें व आर्थिक सहयोग प्रदान करता है। इस वर्ष 25 सितंबर 2020 को आर्यभट्ट सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म दिवस पर माननीय कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के आवास एवं शहरी नियोजन राज्यमंत्री, माननीय गिरीश चंद्र यादव जी मुख्य अतिथि रहे। इसके अतिरिक्त 27 नवंबर 2020 को माननीय कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की दृष्टि में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. भरत पाठक, उपाध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान एवं राष्ट्रीय संयोजक गंगा विचार मंच नमामि गंगे, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. कौशल किशोर मिश्र, संकायाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा श्री रामकृष्ण तिवारी सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान रहे। इस शोधपीठ के अध्यक्ष प्रो. मानस पाण्डेय तथा सदस्य डॉ. राजकुमार व डॉ. अनुराग मिश्र हैं।

आनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन सिस्टम

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने आनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन कराने का सिस्टम तैयार किया है। इसके तहत अब दुनिया के किसी कोने से एक क्लिक में किसी भी अंक–पत्र का वेरिफिकेशन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने 1988 से लेकर अब तक के छात्रों का अंक–पत्र वेबसाइड पर अपलोड कर दिया है। इनके रिकार्ड का प्लास्टिक लेमिनेशन भी करा दिया गया है। इस व्यवस्था से विश्व के किसी भी कोने से छात्र का आनलाइन अवार्ड सत्यापन किया जा सकता है। 25 सितम्बर, 2020 को राज्यमंत्री, गिरीश चन्द्र यादव ने आनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन का शुभारम्भ किया था। विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण कराया। देश–विदेश में कार्य करने वाले विद्यार्थियों को आनलाइन अंक–पत्र सत्यापन से काफी सहूलियत मिलने लगी।

विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों को यू जी सी से मिली 10-10 लाख की शोध ग्रांट

विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के डा. अजीत सिंह एवं भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के डा. नीरज अवस्थी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से बहुप्रतिष्ठित स्टार्ट–अप ग्रांट के अंतर्गत शोध हेतु 10–10 लाख रूपये का अनुदान मिला है। इस प्रोजेक्ट की शोध की अवधि दो वर्षों की होगी।

इसके अंतर्गत रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. अजीत सिंह पानी से हाइड्रोजन गैस उत्पादन के उत्प्रेरकों पर शोध करेंगे। इसके पूर्व में डॉ. अजीत सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगोकी मंत्रालय की तरफ से 53 लाख का शोध ग्रांट मिला है। भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के डॉ. नीरज अवस्थी यमुना नदी के पथ विस्थापन का सरस्वती नदी एवं सिंधु–हड़प्पा सभ्यता पर प्रभाव विषय पर शोध करेंगे।

कुलाधिपति ने आनलाइन सरदार पटेल की मूर्ति का किया अनावरण

विश्वविद्यालय में लौह पुरुष भारतरत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय में राजभवन लखनऊ से ऑनलाइन सरदार पटेल की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि सरदार पटेल का व्यक्तित्व और कृतित्व न केवल विद्यार्थियों के लिए अपितु समस्त युवा पीढ़ी, प्रबुद्धजन एवं राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति श्रद्धा रखने वाले समस्त भारतवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि आज के दिन विश्वविद्यालय में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण वास्तव में देश और प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक जो हम अखण्ड भारत देख रहे हैं वह सरदार पटेल की ही देन है। इसलिए हम उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। उनके व्यक्तित्व को जन–जन तक पहुंचाने के लिए ही गुजरात में 182 मीटर ऊंची उनकी प्रतिमा स्थापित की गई जो कि दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल ने किसानों के कर माफी के लिए आंदोलन चलाया था उन्हीं की प्रेरणा से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए संसद में बिल लाए। उन्होंने नई शिक्षा नीति–2020 पर चर्चा करते हुए कहा कि यह शिक्षा नीति भारत को नई दिशा देने के साथ–साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी साबित होगी। उन्होंने आचार्य नरेन्द्र देव और वाल्मीकि जयंती और इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि पर उन्हें भी नमन किया। प्रतिमा अनावरण समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कुलाधिपति जी का स्वागत करते हुए कहा कि आपके निर्देशन में उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में नूतन चेतना, नई स्फूर्ति तथा नई दृष्टि उत्पन्न हुई है, जिसने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन और सुधारों को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ इच्छाशक्ति, नेतृत्व, कौशल और अदम्य साहस के कारण पूरे देश में याद किए जाते हैं। हम सौभाग्यशाली कि हमें ऐसे महापुरुष की प्रतिमा विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित कर अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के सभी वर्गों को राष्ट्रीय एकता का संदेश देने का अवसर मिला। समारोह में माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। संचालन प्रो. मानस पाण्डेय और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव, सुजीत कुमार जायसवाल ने किया। ऑनलाइन कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ. सुरजीत यादव की टीम ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने पौधरोपण किया। मुक्तांगन परिसर में अपराह्न शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई गई। इस समारोह का संचालन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया।

प्रदेश में भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र बना विश्वविद्यालय

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन ने भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किये जाने का निर्णय लिया है। यह केंद्र प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में स्थापित छह अन्य भाषा केंद्रों की निगरानी एवं संचालन करेगा। विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति, प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने बताया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना के अंतर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा पूर्वांचल विश्वविद्यालय को भाषाओं का उत्कृष्टता केंद्र बनाया गया है। साथ ही प्रदेश में स्थापित हो रहे 6 भाषा केंद्रों के संचालन एवं निगरानी का भी दायित्व पूर्वांचल विश्वविद्यालय को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्टता केंद्र भारत में बिखरे हुए ज्ञान विज्ञान को सार्वजनिक मंच पर लाने का प्रयास करेगा। साथ ही यह केंद्र हमारे महान ग्रंथ जो कि विभिन्न भाषाओं में हमारे ग्रंथालयों में सुरक्षित हैं उनका अध्ययन एवं अध्यापन कर ग्रंथों में मानवीय मूल्यों को जागृत करेगा। यह भाषा केंद्र भारत के विविध दर्शन जो कि देश के विभिन्न बोलियों और भाषाओं में रचे बसे गए हैं उनके पीछे निहित वैज्ञानिक और सामाजिक कारणों पर भी शोध कार्य करेगा। प्रदेश में स्थापित जितने भी भारतीय भाषा केंद्र बनाए गए हैं उनमें भविष्य में रोजगार परक कार्यक्रम संचालित होंगे। इससे सरकार में भाषा अधिकारी, भाषा अनुवादक, भाषा सहायक, पत्र पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में भाषा रूपांतरण, समाचार वाचक, लेखक, स्क्रिप्ट राइटर, गीतकार, कवि, अनुवादक, संपादक, कंपोजर, प्राकृतिक एवं कलात्मक रूप में सृजनात्मक लेखन को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ० मनोज मिश्र बने सेंटर आफ एक्सीलेंस के समन्वयक

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में उत्तर प्रदेश शासन ने भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस अनुवाद स्थापित किये जाने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश शासन ने जनसंचार विभाग के अध्यक्ष, डॉ. मनोज मिश्र को इस सेंटर आफ एक्सीलेंस का समन्वयक बनाया है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना के अंतर्गत भाषा की अनेकता में एकता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस अनुवाद बनाने का निर्णय लिया है।

परामर्श केन्द्र

कोरोना से जंग में परामर्श सेवा दूर करेगी समस्याएं

मुख्य बिन्दुओं पर काउंसिलिंग की सुविधा

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में वर्ष 2019 में परामर्श केंद्र की स्थापना की गई है। विभाग की शिक्षिका डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव एवं विभाग के शिक्षकों द्वारा परामर्श केंद्र में छात्र–छात्राओं तथा आसपास के लोगों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से निरन्तर कार्य किया जा रहा है। समाज में नाना प्रकार की व्यवहारिक, मानसिक, सामाजिक समस्याएं व्याप्त है विशेषकर छात्र–छात्राओं में ,जिसका निदान मनोवैज्ञानिक स्तर पर ही संभव है इस दिशा में अग्रसर होते हुए विभाग ने छात्र–छात्राओं एवं आसपास के लोगों में व्याप्त अवसाद, चिंता, इंटरनेट की लत, ड्रग एडिक्शन आदि को दूर कर उनका मार्गदर्शन एवं उचित निर्देशन देने का कार्य केन्द्र द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

लॉकडाउन के दौरान परामर्श केंद्र द्वारा "कोरोना से जंग हमारे संग" की थीम पर ऑनलाइन काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई। काउंसलिंग सेंटर से संपर्क के लिए परामर्श केंद्र की समन्वयक डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने स्वयं के साथ– साथ विभाग के अन्य शिक्षकों का नंबर भी समाचार पत्रों तथा वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जिससे कि लॉकडाउन के दौरान लोगों में उत्पन्न होने वाली अनिद्रा, बेचैनी, अनिश्चितता, अवसाद, चिंता, तनाव आदि मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निशुल्क सफल निदान किया जा सके, वृहद स्तर पर छात्र–छात्राओं के साथ–साथ आम जनमानस की समस्याओं का भी निस्तारण किया गया।

खेलकूद प्रगति आख्या (2019-2020)

वीर बहादुर सिंह, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर क्रीडा के क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति के विश्वविद्यालयों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ये खिलाड़ियों ने पूर्वी क्षेत्र में ही नहीं अपितु अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपने सतत प्रयास, परिश्रम एवं लग बल पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सम्पूर्ण भारत में खेल के क्षेत्र में हमारी एक अलग पहचान है।

माननीय कुलपति जी की खेल के प्रति अतीव संवेदनशीलता, सतत क्रियाशीलता एवं कुशल मार्गदर्शन में सत्र 2019–2020 में विश्वविद्याल खिलाड़ियों ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में कुल 111 पदक प्राप्त किये जिसमें 36 स्वर्ण, 29 रजत एवं 46 पदक शामिल है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ी खादंगम कोथाजीत सिंह, ललित उपाध्याय, राज कुमार पाल हाकी में तथा अर्जुन सिंह बास्केट पूर्णिमा पाण्डेय भारोत्तोलन, स्वर्णिमा जायसवाल, रेखा देवी यादव, जय सिंह, मोहित यादव, आकाश चौधरी, अंकित चौधरी, अमित हैण्डब भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष खेल के क्षेत्र में महिला खिलाड़ी को प्रदान किया जाने वाला लक्ष्मीबाई पुरस्कार विश्वविद्यालय की खिलाड़ी सुश्री स्वर्णिमा जायसवाल को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों द्वारा किया गया।

सुश्री गौरी पाण्डेय ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन प्रतियो में विगत तीन वर्षो से कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। भारतीय खेलों में सबसे लोकप्रिय खेल प्रतियो आई0पी0एल0 में विश्वविद्यालय के राहुल शुक्ला, मुम्बई इण्डियन्स तथा प्रवीण दूबे, दिल्ली कैपिटल्स टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं।

इस वर्ष विश्वविद्यालय की कुल 21 टीमों ने पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिसमें 10 टीमों ने अ भारतीय (आल इण्डिया) अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु अर्हता प्राप्त किया, जो कि विश्वविद्यालय का कीर्तिमान है विगत पांच वर्षो से पूर्वी क्षेत्र के 164 विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान के साथ ही उत्तर प्रदेश में भी वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौ प्रथम स्थान पर है।

सत्र 2019–2020 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की क्रिकेट पुरुष टीम ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्याल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, किक बाक्सिंग पुरुष एवं महिला टीम ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, हैण्ड पुरुष टीम ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, हाकी पुरुष टीम ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्याल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान तथा बास्केटबाल पुरुष टीम ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रौशन किया। सत्र 2019–2020 में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा आव पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हाकी महिला एवं अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय किक बाक्सिंग पुरुष प्रतियोगिता विश्वविद्यालय पर में सफलतापूर्वक सम्पन्न करायी गयी, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लग जाने के कारण अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्याल सिक्स–ए–साइड क्रिकेट पुरुष तथा महिला प्रतियोगिता सम्पन्न नहीं करायी जा सकी।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा पूर्वी क्षेत्र एवं अखिल भारतीय (आल इण्डिया) अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं आयोजन किया जाता है, जिसमें कुल 40 खेल प्रतियागिताओं में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम भाग लेती है।

इस वर्ष अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में आठवें स्थान तक के खिलाड़ियों की भारत सरकार द्वारा प्रथम खेलो इण्डि यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किट्ट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की विभिन्न टीम/व्यक्ति स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। उक्त प्रतियोगिता में लगभग 500 विश्वविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया, जिसमें वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने उत्तर प्रदेश में प्रथम एवं पूरे भारत में 21वां स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय की भारोत्तोलन टीम की सद गौरी पाण्डेय ने स्वर्ण पदक, कुश्ती टीम के सदस्य सन्दीप कुमार तथा अरविन्द यादव ने स्वर्ण पदक, मुकुल मिश्रा ने रजत पदक, भागवन्त तथा प्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया, एथलेटिक प्रतियोगिता में मो0 हदीस ने कांस्य पदक कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया।

डॉ0 आलोक कुमार
सचिव, खेलकूद परिषद

ए.एन.यू. गुन्टूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता की विजेता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम को विजेता ट्राफी प्रदान करते भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता एम.एस.के. प्रसाद जी साथ में श्री रजनीश सिंह (टीम प्रबन्धक) एवं विजय प्रकाश (टीम प्रशिक्षक)

मीडिया कवरेज

...ज बनती है इसलिए निरंतर विद्यार्थियों के
कार्य करते रहना चाहिए।

...वार, 01 नवंबर 2020 लखनऊ

...समाज के लिए प्रेरणास्रोत : कुलाधिपति

...विद्यालय में ऑनलाइन ...की का किया अनावरण

...चंद्र बोस ने रखी थी आ...

...में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

...पन कुलसचिव सुजीत कुमार जायसवाल ने किया। ऑनलाइन कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ. मुनीश यादव की टीम ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्य ने पौधरोपण किया। मुख्यांगन परिसर में अपराह्न शिक्षकों, अधिकारियों एवं ...

...पूर्वांचल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के मौके पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करतीं कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्य।

सिर्फ सपने नहीं, काम से मिलती है मंजिल : कुशवाहा

- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ विषय पर हुआ व्याख्यान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल ...

दीनदयाल जी के विचार आत्मसात करने से आएगी रचनात्मकता : कुलपति

देश के अंतिम व्यक्ति के लिए था पंडित जी का दर्शन : डॉ. ... पाठक

कुलपति प्रो.निर्मला एस. मौर्य को मिला कोरोना कर्मवीर सम्मान

रामराज्य में ही गणतंत्र की आत्मा बसती है : प्रोफेसर निर्मला मौर्य

विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर हुआ वेबिनार का आयोजन

सुरक्षा के साथ संचालित होंगी शैक्षणिक गतिविधियां : मौर्य

- कुलपति ने किया संकाय भवन का निरीक्षण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ...

सृजनात्मक कार्य से ही होगा पूविवि का विकास : कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आई.बी.एम भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती शनिवार को पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर थीम बेस्ड लिटरेरी फेस्ट एवं फाइन आर्ट्स कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सैन्य पृष्ठभूमि पर रंगोली एवं पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

आयोजन

पोस्टर में बेबी नाज़ और रंगोली में बीए-एलएलबी की टीम अव्वल

नेताजी ने युवाओं के लिए देशभक्ति की मिसाल पेश की।

आभार डा. मनोज मिश्र ने और संचालन कार्यक्रम संयोजक डा. अनुराग मिश्र ने किया। रंगोली प्रतियोगिता में कुल 20 टीमें हिस्सा लीं, जिसमें प्रथम पुरस्कार बीए.एलएल.बी डिपार्टमेंट की टीम (जी) को गया, जिसमें सौम्या यादव, रिया यादव, यशी गुप्ता, शालिनी यादव, संस्कृति मोलकी ने टीम के रूप में प्रतिभाग किया। द्वितीय पुरस्कार एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स की टीम (जे) को गया जिसमें अंकित यादव, पूजनी सिंह, नेहा तिवारी, विकेश यादव, प्रशांत तिवारी टीम के रूप में सम्मिलित रहे।

रंगोली का अवलोकन करती कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्या।

मनोविज्ञान विभाग की टीम (एम) को गया, जिसमें अनुपम तिवारी, सक्षम तिवारी, सारिता भारती, सुरभि यादव ने टीम के रूप में प्रतिभाग किया। इसी ... माइक्रोबायोलॉजी की छात्रा बेबी नाज प्रथम स्थान, खुशबू श्रीवास्तव द्वितीय स्थान तथा एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल के छात्र अभिषेक कुमार ... प्रो. ... शर्मा, डॉ. राजकुमार, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नीतेश जायसवाल, डॉ. ... श्रीवास्तव, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. ...

...पीयू में ऑनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार

...घर बैठे ही लोग ले अवार्डों का लो सकेगा वेरिफिकेशन, पीयू में एक करोड़ छात्रों का अंकपत्र हुआ ऑनलाइन

...यू में ऑनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार

ऐसे होगा वेरिफिकेशन

ऑनलाइन अवार्ड वेरिफिकेशन से लाभ

सपने देखने से नहीं, काम से मिलती मंजिल

बच्चों के जीवन के प्रारंभिक अनुभव मूल्यवान

सकारात्मक सोच से ही होगा विकास : कुलपति

जयंती मनाई

परिसर में सभी महापुरुषों की मूर्तियों पर डीएम ने किया माल्यार्पण

विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनी गांधी और शास्त्री जी की जयंती

सरदार वल्लभभाई पटेल

सुरक्षा के साथ संचालित शैक्षणिक गतिविधियां : प्रो

कुलपति ने किया संकाय भवन का निर्माण

पंडित दीनदयाल के विचारों को आत्मसात करें, अपनी रचनात्मकता : कुलपति

सिर्फ सपने नहीं, काम से मिलती है मंजिल : प्रो. साकेत कुशवाहा

शिक्षक मन के अंधकार को करते हैं दूर

नकारात्मक सोच को हटाकर सकारात्मक सोच की तरफ अग्रसर हों

बच्चों में समस्याओं का सामना करने की क्षमता विकसित करें

जौनपुर 2

जब तक कवायद नहीं, तब तक दिलाई नहीं

अयोध्या मंडल

बाराबंकी, जौनपुर

शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन तरीके से संपन्न कराई जाए परीक्षा: उप मुख्यमंत्री

कुलपति को मिला कोरोना कर्मवीर सम्मान

21वीं सदी महिलाओं की होगी : रीता

वृद्धाश्रम आधुनिक समाज की देन : प्रो. निर्मला मौर्य

वृद्ध को कंबल ओढ़ाती कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य।

मदद

प्रेमराजपुर वृद्धाश्रम के गरीबों को कुलपति ने कम्बल किया वितरित

सूर्य के समान होता है शिक्षक :

अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह-2020

पूविवि के 28 अवकाश प्राप्त

विज्ञान ही नहीं कला, संगीत से भी है गणित का संबंध: प्रो. सुबीर दास

पीयू में गणित दिवस पर हुआ व्याख्यानमाला का आयोजन

महामना की जयंती पर कुलपति का सम्मान, शिक्षकों में हर्ष

कुलपति को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए।

ड़ी जी ने ... गठित किया

त ठेगड़ी विधिक सेवा एवं सहायता

दुनिया को समझने के लिए यात्रा सबसे बेहतर माध्यम : डॉ. कायनात काजी

विद्यार्थियों में व्यक्तित्व विकास के चरित्र निर्माण जरूरी : प्रो. शेखर

छात्रों में प्रबंधकीय क्षमताओं का विकास

विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करतीं माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

न अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन परिसर में उच्चीकृत श्रीनिवास रामानुज रिसर्च स्कॉलर हास्टल का उद्घाटन करती मा० कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

23वें दीक्षान्त समारोह में पूर्व माध्यमिक विद्यालय की छात्रों को स्कूल बैग देती मा० कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

23वें दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक धारक को प्रमाण-पत्र देतीं मा० कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक डॉ० महेन्द्र यादव की "पुस्तक स्मृतियों में नारी विमर्श" का विमोचन करते पूर्व कुलपति प्रो० सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य, प्रो० विभा त्रिपाठी एवं अन्य

कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य को स्मृति चिन्ह् प्रदान करते रोवर्स/रेंजर्स के समन्वयक डॉ० जगदेव एवं अन्य

इंस्पायर साइंस कैम्प 2020 के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते विज्ञान भारती दिल्ली के श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे

अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक को स्मृति चिन्ह देतीं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य एवं पू.वि.वि. शिक्षक संघ के पदाधिकारीगण

कुलपति सभागार में नई शिक्षा नीति पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय अरूणाचंल प्रदेश के कुलपति प्रो० साकेत कुशवाहा को स्मृति चिह्न प्रदान करते शिक्षकगण

देवकली गाँव में महिलाओं के साथ कंबल वितरण कार्यक्रम में कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में रंगोली का अवलोकन करतीं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

महात्मा गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर गांधी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करतीं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

रज्जू भइया स्मृति व्याख्यानशाला में पूर्व कुलपति प्रो० एस०एस० कुशवाहा, प्रो० राजाराम यादव, श्री शतरुद्र प्रताप सिंह एवं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण

एन.एन.एस. भवन में बनवासियों को खाद्य सामग्री वितरण करतीं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य एवं समन्वयक डॉ० राकेश यादव

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करती कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ में खेल के सर्वश्रेष्ठ सम्मान रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार प्राप्त करती विश्वविद्यालय की हैण्डबाल खिलाड़ी स्वर्णिमा जायसवाल

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित मूल्य अभिवृद्धि समारोह को संबोधित करती माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

खिलाड़ी सम्मान समारोह में विजेता खिलाड़ियों के साथ कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य एवं अधिकारीगण

गणित दिवस समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों को पुरस्कृत करतीं कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

पं० दीन दयाल उपाध्याय जी की जयन्ती पर उनको नमन करते मा० राज्यमन्त्री श्री गिरीश चन्द्र यादव, मंचासीन कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर परेड का निरीक्षण करती कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) की जयन्ती के अवसर पर मुख्य अतिथि
पूर्व कुलपति प्रो० सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा के साथ कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के स्वयं सेवकों का गणतंत्र दिवस के अवसर पर नेतृत्व करने वाले एनएमएम के
कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संतोष कुमार पांडेय एवं स्वयंसेवक विशाल कुमार के साथ कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य

यात्रा लेखन विषयक कार्यशाला में विद्यार्थी शाकम्बरी नंदन की फोटो प्रदर्शनी के अवसर पर यात्रा लेखिका
डॉ० कायनात काजी, प्रो० रंजना प्रकाश, डॉ० मनोज मिश्र एवं शिक्षक गण

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
"भारत का शीराज रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह "कुतबन" का मादल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
दो धर्मों की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना "जौनपुरी" यह,
संघर्षों की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हो आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय "पूरब की आत्मा," जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।